RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 110 , बुधवार, 03 जून 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़-2026 की तैयारियों की प्रभारी सचिव ने की समीक्षा, सभी विभागों ... 03

सहयोग शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, बिजली, आवास और पेंशन संबंधी शिकायतों ... 04

अपूर्वा अरोड़ा ने फैंस से मांग लिया ऐसा बर्थडे गिफ्ट तस्वीरें शेयर कर... 07

संक्षिप्त समाचार

वंदे मातरम बोझिल

हर कार्यक्रम में राष्ट्रगीत गाना मुश्किल

- **थरूर बोले-इसका समाधान आपसी सहमति से निकाला जाए**

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी 6 छंदों को बजाने या गाना अनिवार्य करने पर सवाल उठाया। उन्होंने इसे गैर जरूरी और लोगों के लिए बोझिल बताया। केरल के तिरुवनंतपुरम में सोमवार को थरूर ने कहा, वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत है। जब इसे गाया जाता है, तो हम सम्मान में खड़े हो जाते हैं। इसका पहला छंद या पहले दो छंद ज्यादातर लोगों को जुबानी याद होते हैं। थरूर ने बताया कि पारंपरिक रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता था तो वहीं राष्ट्रगान अलग से कार्यक्रम के आखिर में बजाया जाता था। इसी साल 19 फरवरी को दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम का शशि थरूर ने जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां शुरुआत और अंत में वंदे मातरम का पूरा संस्करण बजाया गया था। उनके मुताबिक, गीत लंबा होने के कारण लोगों के लिए दो बार खड़े रहना असुविधाजनक था। थरूर ने कहा आखिरकार इस मामले पर कोई फैसला लेना पड़ सकता है, क्योंकि संसद द्वारा पारित ऐसा कोई कानून नहीं है जो इसे अनिवार्य बनाता हो। मुझे राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है। वंदे मातरम का जो हिस्सा पारंपरिक रूप से सार्वजनिक कार्यक्रमों में गाया जाता रहा है, उसकी लंबाई लगभग राष्ट्रगान जितनी ही है। उसे लंबे समय से स्वीकार और सम्मानित किया जाता रहा है।

बेटे को अलग घर चाहिए और माताजी को अलग

- **सीएम सम्राट चौधरी का पूर्व सीएम राबड़ी देवी पर तंज**

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बिना नाम लिए राबड़ी देवी पर निशाना साधा है। उन्होंने मंगलवार को शेखपुरा में एक जनसभा के दौरान कहा, यहां किसी की बपौती नहीं हो सकती, ये राजतंत्र थोड़ी है कि आपको जो घर मिला, उसी घर में रहेंगे। उन्होंने आगे कहा, ज्मैं 1999 में आया सरकार में मंत्री के तौर पर, आज जिस घर में मैं हूं ये मेरा 11वां घर है, मैं मात्र तीन घरों में स्वयं रहा और सभी घरों में मैंने कार्यालय चलाने का काम किया। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि कुछ लोगों को मोह है, बेटे को अलग घर चाहिए, माताजी को अलग घर चाहिए और जनता को छोड़ दो। आपको बता दें कि राबड़ी देवी 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास में रह रही हैं और उन्होंने विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आवंटित 39, हार्डिंग रोड स्थित आवास में अब तक स्थानांतरण नहीं किया है। वहीं, उनके बेटे और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक, पोलो रोड स्थित आवास में रह रहे हैं।

पार्टी के कहते ही छोड़ दूंगा सरकारी आवास

उन्होंने कहा, हम लोग जनता के काम के लिए आए हैं। घर की चिंता छोड़ दीजिए और जिस दिन पार्टी और हमारे नेता कहेंगे कि आपका काम यहीं पर समाप्त होता है, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि सम्राट चौधरी अपना झोला उठाकर अपने प्राइवेट घर में चला जाएगा कभी सरकारी घर में नहीं रहेगा। हम जनकल्याण के लिए आए हैं। उन्होंने दावा किया कि पद संभालने के बाद वह नीतिश के कहने पर वहां गए।

सरकार ने सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव को हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को ऑन स्क्रीन मार्किंग में विवाद के बीच सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का तबादला कर दिया। ओएसएम सर्विस के टेंडर और खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है। उधर, री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक हुआ। ओएसएम के अनुसार, 2 मिनट में 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गई। हालांकि, साइबर अटैक के बावजूद पोर्टल काम करता रहा और दोपहर 3 बजे तक 16 हजार से ज्यादा छात्रों ने आवेदन कर दिया। यह पोर्टल सोमवार से शुरू होना था।

राहुल सिंह, चेयरमैन हिमांशु गुप्ता, सचिव

दूसरे कैदियों से अलग रखे जाएंगे समर्थ और गिरिबाला

सीबीआई ने समर्थ और गिरिबाला की अतिरिक्त कस्टडी नहीं मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्विशा शर्मा मामले में भोपाल कोर्ट ने समर्थ सिंह और उसकी मां गिरिबाला सिंह को 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने दोनों की अतिरिक्त कस्टडी की मांग नहीं की। इसी वजह

ट्विशा शर्मा केस

से अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया। बताया जा रहा है कि गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह भोपाल सेंट्रल जेल में रहेंगे। दोनों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि सीबीआई की पहले चरण की जांच पूरी हो चुकी है। इस जांच में एजेंसी ने ट्विशा की मौत से जुड़े तमाम पहलुओं पर पूछताछ की थी। हर घटना की क्रोनोलॉजी तैयार की गई थी और 12 मई की रात आखिर क्या हुआ था, इसकी भी पड़ताल की गई। कई तरह के डिजिटल फॉरेंसिक और फिजिकल एविडेंस को भी जांच में शामिल किया गया। इस मामले में सबसे पहले कटारा हिल्स पुलिस स्टेशन में दहेज के कारण मौत का मामला दर्ज किया गया था। हालांकि जांच में कई तरह की लापरवाही सामने आने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ के आरोप लगने के बाद यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को बदला

जब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की थी, तब अदालत ने माना था कि ट्रायल कोर्ट गवाहों के बयानों को सही तरीके से नहीं समझ पाया था। साथ ही व्हाट्सऐप चैट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आए चोट के निशानों पर भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया था। फिलहाल सीबीआई इस मामले की जांच भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 85 और 3(5) के तहत कर रही है। इसके अलावा मामले में दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 भी जोड़ी गई है। वैसे इस मामले में गवाहों के को डराने-धमकाने के आरोप भी लगने लगे हैं। असल में त्विषा शर्मा मामले में सोमवार को सीबीआई ने घटनास्थल को दोबारा क्रिएट किया। इस दौरान ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी सास सहयोगी गिरिबाला सिंह से भी पूछताछ की गई। तब ट्विशा शर्मा मामले में गवाह बने नीरज दुबे ने आरोप लगाया है कि समर्थ सिंह के दोस्तों ने उन्हें घेरकर धमकाया और उन पर हमला करने की कोशिश की। गवाह के मुताबिक, घटना 30 मई की है। उनका कहना है कि उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था ताकि वे अदालत में गवाही न दें या फिर अपने बयान से पलट जाएं।

114 नए राफेल खरीदने की तैयारी में भारत

- **स्वदेशी तकनीक के साथ भारत में होगा निर्माण, तैयारी शुरू**

फ्रांस के साथ इस डील से दहल जाएंगे देश के दुश्मन देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद की पूरी तैयारी कर ली है। फ्रांस की कंपनी के साथ 3.25 करोड़ की डील के लिए लेटर ऑफ रिक्वेस्ट जारी कर दिया गया है। इस डील के तहत 94 राफेल विमानों की निर्माण फ्रांसीसी कंपनी दसॉल्ट एविएशन के साथ मिलकर भारत में ही किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि फ्रांस की ओर से इसम मामले में तीन महीने में जवाब आ सकता है और इसके बाद डील फाइनल हो जाएगी। भारतीय वायुसेना को विमानों की सख्त जरूरत है और यह वायुसेना की जरूरत पूरी करने की ओर बड़ा कदम है।

जून में पीएम मोदी का फ्रांस दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून में फ्रांस का दौरा कर सकते हैं। इस दौरान राफेल डील पर भी बातचीत होने की पूरी संभावना है। भारत ने वायुसेना में विमानों की कमी को देखते हुए 4.5 जेनेरेशन प्लस राफेल विमानों को शामिल करने का फैसला किया है। वायुसेना और नौसेना पहले भी 62 विमानों का ऑर्डर दे चुकी है। वहीं 114 राफेल विमानों की डील फाइनल होने के बाद इनकी संख्या 176 हो जाएगी जो महत्वपूर्ण है।

समंदर में भी राफेल करेंगे सुरक्षा

भारतीय नौसेना ने समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 31 राफेल विमानों को खरीदने की इच्छा जताई थी। अगर ऐसा होता है तो राफेल विमानों की संख्या 200 के भी पार पहुंच जाएगी। खास बात यह है कि इनमें से आधे राफेल विमान भारत में ही निर्मित होंगे। इससे पहले वायुसेना प्रमुख, एयरचीफ मार्शल एपी सिंह दसॉल्ट एविएशन कंपनी का दौरा कर सकते हैं। यहीं राफेल विमानों का निर्माण होता है। पहली बार है जब राफेल विमानों का निर्माण फ्रांस से बाहर किसी देश में होगा। भारत में यह 50 फीसदी स्वदेशी तकनीक के साथ तैयार किया जाएगा। यह खरीद वायुसेना के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम का हिस्सा है। बता दें कि वायुसेना के पास 29 स्क्वॉड्रन हैं जबकि कम से कम 42.5 स्क्वॉड्रन की जरूरत है। भारत पहले से ही 36 राफेल विमानों के बेड़े में शामलि कर चुका है। अधिकारियों का कहना है कि इस समझौतेसे राफेल विमानों में स्वदेशी हथियार और तकनीक का इस्तेमाल करने में सहूलियतम मिलेगी। इसके अलावा डील पारदर्शी होगी और कोई बिचौलिया नहीं रहेगा।

विदेशियों के लिए भारत में रहने के नियम बदले

- **अब 180 दिन पूरे होने से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे, ऑनलाइन अपील का भी ऑप्शन**

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के भारत में रहने के नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करके रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव की जानकारी दी। नए नियमों के मुताबिक विदेशी नागरिक अब भारत में उसके रहने के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे।

साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी कर सकेंगे। पहले भारत में 180 दिन पूरे होने के बाद विदेशी नागरिकों को 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होता था। सरकार ने यह भी कहा है कि तय समय निकलने के बाद रजिस्ट्रेशन सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही किया जाएगा।

- **ऑनलाइन अपील का प्रावधान जोड़ा गया-** पहली बार ऑनलाइन अपील की व्यवस्था जोड़ी गई है। किसी आदेश से प्रभावित व्यक्ति अब ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आयुक्त के पास ऑनलाइन अपील कर सकेगा। आदेश मिलने के 30 दिन के भीतर अपील करनी होगी। आयुक्त को संबंधित पक्ष की सुनवाई के बाद फैसला देना होगा। 60 दिन के भीतर मामले का निपटारा करने की कोशिश करना होगा।
- **बच्चों की नागरिकता से जुड़े नियम भी बदले-** अगर माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक है और बच्चे की भारतीय नागरिकता बनाए रखना चाहता है, तो बच्चे पर विदेशी नागरिकों के रजिस्ट्रेशन वाले नियम लागू नहीं होंगे। वहीं, भारत में रह रहा बच्चा भी शामिल होगा।

2025 में पास हुआ था कानून

संसद ने मार्च 2025 में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 पास किया था। इस कानून ने पासपोर्ट एक्ट 1920, फॉरेनर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट 1939, फॉरेनर्स एक्ट 1946 और इमिग्रेशन एक्ट 2000 समेत कई पुराने कानूनों के प्रावधानों को एक ढांचे में समेटा गया। कानून के तहत यदि कोई गैर कानूनी तरीके से बसाता है, तो उसे 3 साल की जेल होगी।

टीएमसी तोड़ सकते हैं निकाले गए विधायक

- **बोले-हम असली तृणमूल, 50 से ज्यादा एमएलए साथ**
- **कहा-नेता विपक्ष हमारा हो, चुनाव चिन्ह भी हमें मिले**

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस दो गुटों में बंट सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं। रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, विपक्ष के नेता ऋतब्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए।

टूट की संभावनाओं पर बयान

- **बीजपी ने कहा-टीएमसी के लिए हमारे दरवाजे बंद-** पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा टीएमसी के लिए हमारे दरवाजे बंद हैं। हमने किसी को बाहर से लाए बिना 207 का आंकड़ा छू लिया। इस बार हमारी राजनीतिक रणनीति जमीनी स्तर से शुरू हुई। हम ऐसे लोगों को अपनी पार्टी में कैसे शामिल कर सकते हैं जो दागी हैं। बीजेपी का तृणमूलीकरण कभी नहीं होगा।

सूर्या की हत्या के बाद 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' का हो गया आगाज

- **खौफ में तुरंत 250 का सरेंडर, मदरसों पर भी शुरू हुआ ऐक्शन**

लखनऊ (एजेंसी)। गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में 17 साल के सूर्या चौहान की बकरीद पर हुई हत्या के बाद पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन स्वीप का आगाज कर दिया है।

हत्याकांड के मुख्य आरोपी असद का एनकाउंटर के बाद जहां उसके घर पर बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी है तो दूसरी तरफ तीन मदरसों को भी सील कर दिया गया है। वहीं, पुलिस से मिले अल्टीमेटम के बाद करीब 250 अपराधियों ने सरेंडर किया। वे हाथों में पोस्टर लेकर माफी मांगते और फिर कभी जुर्म ना करने की कसम खाते नजर आए। खोड़ा में 29 मई से ही भारी पुलिस फोर्स तैनात है।

- **असद के पुराने मकान पर तोड़फोड़ का प्रयास-** इससे पहले सोमवार को पुलिस और प्रशासन की टीम ने आरोपी असद के पुराने मकान पर नोटिस चस्पा किया था। आरोप है कि सोमवार की रात बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने असद के इसी पुराने मकान पर पहुंचकर तोड़फोड़ की, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। गनीमत थी कि पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर तोड़फोड़ करने वालों को रोका। इसके बाद से यहां भी पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल, गाजियाबाद प्रशासन ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप का आगाज किया है।

जो बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया

कुशीनगर (एजेंसी)। कुशीनगर की धरती से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास बनाम अराजकता के मुद्दे पर कहा कि पहले की सरकारों के समय उत्तर प्रदेश कट्टा-बम बनाने वालों की पहचान से जुड़ा था, जबकि आज वही उत्तर प्रदेश देश की सुरक्षा के लिए ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। पिछली सरकारें निर्दोष लोगों, व्यापारियों को लूटने के लिए कट्टा-बम बनाती थीं। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाती थीं, लेकिन हमने इन शोहदों को ठीक किया है। जो ठीक नहीं हुआ, बोली से नहीं माना वो गोली से जरूर मान गया है। मंगलवार को कुशीनगर में 424+ करोड़ की 278 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों की विकृत मानसिकता ने कुशीनगर को बीमारी, भुखमरी और बेरोजगारी दी, लेकिन डबल इंजन सरकार ने इंसेफेलाइटिस और माफिया, दोनों पर प्रभावी प्रहार करते हुए विकास की राह चुनी है।

अन्नामलाई ने गृह मंत्री अमित शाह से की मुलाकात

दावा-बीजेपी से सम्मानजनक विदाई चाहते हैं, 7 जून को फैसला लेंगे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने सुबह में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष से भी मुलाकात की थी। यह मुलाकात उनके बीजेपी छोड़ने की चर्चाओं के बीच हुई है। सूत्रों के मुताबिक, वह भाजपा से बिना टकराव वाली सम्मानजनक विदाई चाहते हैं। इसके बाद वह तमिलनाडु में 'राष्ट्रवादी-तमिल दर्शन' आधारित गैर-राजनीतिक आंदोलन शुरू करेंगे, जिसे जनभावनाओं के आधार पर बाद में राजनीतिक दल में बदला जा सकता है। अन्नामलाई 7 जून को अपने कोर समर्थकों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वह आगे की रणनीति का ऐलान कर सकते हैं। युवा वोटबैंक में उनकी पकड़ को देखते हुए उनके अगले कदम पर राजनीतिक दलों की नजर है। यह भी चर्चा है कि संगठन चाहता है कि अन्नामलाई ऐक्टिव रहें।

अन्नामलाई और बीजेपी में अनबन, 4 संकेत...

विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने अन्नामलाई की जगह नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्नामलाई ने चुनाव भी नहीं लड़ा था। अन्नामलाई ने तीन-भाषा नीति को मौजूदा सत्र से लागू करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय से इसे 2029-30 शैक्षणिक सत्र से लागू करने की मांग की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एआईएडीएमके के साथ बीजेपी के गठबंधन को लेकर अन्नामलाई सहमत नहीं थे। हालांकि बाद में उन्होंने एनडीए के लिए चुनाव प्रचार किया था। राजनीतिक विश्लेषक सुमंत सी. रमन के मुताबिक, अन्नामलाई की एन मन्न, एन मक्कल पदयात्रा के बाद तमिलनाडु में बीजेपी का वोट शेयर बढ़कर 11 फीसदी तक पहुंचा था।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार, सहयोग शिविर का किया उद्घाटन, सुनीं लोगों की समस्याएं

हाजीपुर। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री और वैशाली जिले के प्रभारी मंत्री निशांत कुमार मंगलवार को पहली बार वैशाली पहुंचे। उन्होंने वैशाली प्रखंड की भगवतपुर पंचायत में आयोजित 'सहयोग शिविर' में आम लोगों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मंत्री निशांत कुमार ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया और सीधे आमजनों से संवाद किया। भगवतपुर मध्य विद्यालय के समीप स्थित मैदान में शिविर के लिए एक बड़ा पंडाल बनाया गया था, जहाँ सभी प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए बैठने, पेयजल और सुरक्षा सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग भी शिविर में मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने आम लोगों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की प्रक्रिया सुनिश्चित की। प्रशासन का उद्देश्य है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध हो सकें। शिविर में राजस्व, भूमि सुधार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आपूर्ति, बिजली, कृषि, पंचायती राज, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और कल्याण विभाग सहित कई विभागों के अलग-अलग काउंटर लगाए गए थे। प्रत्येक काउंटर पर संबंधित विभाग के पदाधिकारी और कर्मी मौजूद थे, जिन्होंने लोगों की शिकायतें, आवेदन और सुझाव प्राप्त कर उनका त्वरित निपटारा किया। भगवतपुर के बाद प्रभारी मंत्री निशांत कुमार महनार प्रखंड की करनौती पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में भी शामिल होंगे, जहाँ वे आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे।

वैशाली में दामाद की मौत, बेटे ने नाना-नानी पर जहर देकर मर्डर का आरोप लगाया

हाजीपुर। वैशाली में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतक के नाबालिग बेटे ने अपने नाना-नानी पर तलाक विवाद के चलते जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। यह घटना करताहा थाना क्षेत्र के गुरमियां तिवारी टोला में हुई है। मृतक की पहचान राजापाकड़ थाना क्षेत्र के बाकरपुर, वार्ड नंबर 11 निवासी मिथलेश कुमार, उम्र-35 (पिता स्वर्गीय प्रमोद पासवान) के रूप में हुई है। मृतक के नाबालिग बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके नाना-नानी ने उसके पिता को जहर देकर मार डाला है। बेटे अनिकेत राज के अनुसार, उसकी मां उसके पिता से तलाक मांग रही थी। बताया जा रहा है कि मृतक मिथिलेश बैंगलोर में एक प्राइवेट कंपनी में मजदूरी करता था।

बेटे अनिकेत राज ने यह भी आरोप लगाया कि बैंगलोर में उसकी मां ने उसके पिता के हाथ-पैर बंधवाकर पिटाई करवाई थी और फिर भाग गई थी। इस घटना के बाद पिता बिदुपुर में अपनी बहन के घर चले गए थे। बेटे के मुताबिक, 30 मई को नाना-नानी ने बहला-फुसलाकर उन्हें मौसी के घर से बुलाया। आरोप है कि इसके बाद 1 जून को उन्हें जहर देकर मार दिया गया। उसने यह भी बताया कि 30 मई को जब उसके पिता नाना-नानी के घर आए थे, तो नानी गुड़िया देवी और पिता के बीच विवाद हुआ था। मामा ने भी पिता के साथ गाली-गलौज की थी। मिथलेश कुमार की शादी 12 साल पहले सतनारायण पासवान की बेटी सोनी कुमारी से हुई थी। मिथलेश के तीन छोटे बेटे हैं। घटना के बाद आरोपी ससुर और साले फरार बताए जा रहे हैं। सदर एसडीपीओ गोपाल मंडल ने बताया कि करताहा थाना क्षेत्र में सतनारायण पासवान के दामाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और FSL टीम को बुलाया गया। जांच के लिए सैंपल लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि घटनास्थल पर मृतक की मां और बहन भी पहुंची हैं, लेकिन अभी तक उनके पूर्ण बयान दर्ज नहीं किए गए हैं। फिलहाल, पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

हाजीपुर में ओवरब्रिज पर दो ट्रकों की टक्कर, बालू लदा ट्रक क्षतिग्रस्त, चालक फरार

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर महात्मा गांधी सेतु से जुड़ी नई ओवरब्रिज पर मंगलवार सुबह करीब 2 बजे दो ट्रकों की टक्कर हो गई। यह हादसा हाजीपुर सर्किट हाउस के पास हुआ। दुर्घटना में बालू से लदा एक ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पटना से हाजीपुर आने वाली पश्चिमी लेन पर एक चावल लदा ट्रक खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित बालू लदे ट्रक ने उसमें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बालू लदे ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चावल लदे ट्रक के चालक रंजीत कुमार, जो नवादा जिले के निवासी हैं, ने बताया कि वह रांची से चावल लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे थे। उन्होंने मंगलवार सुबह लगभग 3 बजे ओवरब्रिज पर अपना ट्रक खड़ा किया था और नीचे पेशाब करने गए थे। जब वह वापस ट्रक पर चढ़ने वाले थे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने उनके वाहन में टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बालू लदे ट्रक पर कोई उपचालक मौजूद नहीं था और चालक कथित तौर पर नशे की हालत में था। हादसे के तुरंत बाद बालू लदे ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना के संबंध में पूछे जाने पर यातायात थाना प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि उन्हें फिलहाल दुर्घटना की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जानकारी प्राप्त होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली- शादी के 3 महीने बाद पति-पत्नी का मिला शव, छोटे भाई पर हत्या का आरोप

हाजीपुर। वैशाली में मंगलवार सुबह पति-पत्नी का शव घर में फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान रवि कुमार (26) और उनकी पत्नी उर्मिला कुमारी (21) के रूप में हुई है। दोनों की 3 महीने पहले 27 फरवरी 2026 को शादी हुई थी। हत्या का आरोप रवि के छोटे भाई पर लगा। मृतक रवि कुमार 2 भाइयों में बड़े थे। बताया जा रहा है कि छोटे भाई सुमन कुमार ने रवि की शादी से पहले इंटरकास्ट मैरिज की थी। 2 महीने पहले वो अपनी बीवी को घर लेकर आया था। रवि और उर्मिला इस विवाह का लगातार विरोध कर रहे थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि सुमन ने अपने बड़े भाई और भाभी की हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने दोनों के शवों को छत से लटका दिया। घटना के बाद से सुमन और उसकी बीवी फरार है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना पकड़ी चौक से करीब 200 मीटर अंदर की है। मृतका उर्मिला कुमारी के बड़े भाई सोनू कुमार ने बताया, "फरवरी में हमने अपनी बहन की शादी धूमधाम से की थी। मेरी बहन और बहनोई दोनों इस रिश्ते से खुश थे। हालांकि, बहन ने कई बार बताया था कि उसे ससुराल में परेशान किया जाता है। यहां तक कि शादी के बाद पहली होली पर भी उसे मायके नहीं आने दिया गया। मेरे बहनोई हाइवा चालक थे, इसलिए वे अधिकतर समय काम के सिलसिले में घर से बाहर रहते थे। शादी से पहले उन्होंने अपनी कमाई से घर बनवाया था।" मृतका के भाई सोनू कुमार ने आगे बताया, "मेरी बहन का देवर सुमन कुमार अंतरजातीय विवाह करने के बाद घर से अलग रह रहा था। बहन की शादी के करीब दो महीने बाद वह पहली बार अपनी पत्नी को लेकर घर आया था। मेरे बहनोई इस विवाह का विरोध कर रहे थे। वे सुमन और उसकी पत्नी को घर में नहीं रखना चाहते थे, जबकि उनके पिता छोटे बेटे को अपने साथ रखना चाहते थे। इसी बात को लेकर परिवार में विवाद शुरू हो गया था। परिवार के कुछ लोगों का कहना था कि जिस जमीन पर घर बना है, उसमें उनका भी हिस्सा है। इसी वजह से सुमन भी उसी घर में रहेगा। यदि किसी को आपत्ति है, तो वह घर छोड़ सकता है। बीती रात करीब 11 बजे मेरे बहनोई काम से घर लौटे थे। इसी दौरान मेरी बहन ने फोन कर कहा कि वह अब उस घर में नहीं रहना चाहती। उसने बताया कि तुम्हारे जीजा कह रहे हैं कि वह कुछ समय के लिए मायके चली जाए।

बॉयफ्रेंड से झगड़े के बाद छात्रा ने किया सुसाइड

दोस्त से कहा- देखो बात नहीं कर रहा है, पटना के हॉस्टल में फंदे से लटकी मिली लाश

एजेंसी, पटना

पटना में NEET की तैयारी कर रही छात्रा ने सुसाइड कर लिया। मंगलवार को राधे कृष्णा हॉस्टल में उसकी बॉडी फंदे से लटकी मिली। मृतका समस्तीपुर की रहने वाली श्रुति कुमारी (17) है। वह 2024 से हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। हॉस्टल में रहने वाली छात्रा की दोस्त अंशु ने बताया कि सुसाइड से पहले श्रुति ने किसी लड़के से बात की थी। वो काफी रो रही थी। उसने अपने दोस्त को रोते हुए परेशानी बताई थी। कहा- वो लड़का उससे बात नहीं कर रहा। इसके बाद अंशु ने उससे कहा था- 'कुछ गलत मत करना। अपने माता पिता के पास चली जाओ।' वहीं श्रुति के रिश्तेदार का कहना है, "कोई लड़का है, जो उसे काफी दिनों से परेशान कर रहा था, जिससे वो काफी डिप्रेशन में थी।"

हॉस्टल की ऑनर बोलीं- उसके माता-पिता बात नहीं कर रहे थे: हालांकि, हॉस्टल की ऑनर आभा सिंह ने बताया कि सोमवार रात

खा-पीकर सो गई थी। आभा सिंह के मुताबिक, श्रुति ने अपने दोस्त से कहा था- 'मुझसे मेरे माता-पिता भी बात नहीं करते हैं।' ऑनर ने बताया, "यहां रहकर NEET की तैयारी करती थी। कोर्स समाप्त होने के बाद अपने गांव चली गई थी। 10 दिन पहले लौटी थी। बहुत शांत स्वभाव की थी।" घटना पत्रकार नगर थाना क्षेत्र के सचिवालय कॉलोनी रोड नंबर 2 A/26 की है।

किसी से बात करने के बाद रो रही थी: बगल के कमरे में रहने वाली छात्रा अंशु ने बताया, "श्रुति सुबह से दिखाई नहीं दे रही थी। जब उन्होंने उसके कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा धक्का देने पर खुल गया। अंदर श्रुति फंदे से लटकी हुई मिली। " अंशु के अनुसार, "वह पिछले कुछ दिनों से काफी परेशान लग रही थी। एक दिन वह रोते हुए किसी से फोन पर बात कर रही थी। बातचीत के बाद वह रोते हुए मेरे पास आई। उसने बताया कि उसका किसी लड़के से झगड़ा हो गया है।

वह उससे बात नहीं कर रहा है। हालांकि, उसने कभी उस लड़के का नाम नहीं बताया और मैंने भी उससे नाम नहीं पूछा। हमने उसे समझाया था कि इन बातों में ज्यादा न उलझे। अगर वह बहुत परेशान है, तो कुछ दिन के लिए घर चली जाओ। छात्रा ने इसी साल 12वीं की परीक्षा पास की थी और जल्द ही ग्रेजुएशन में दाखिला लेने वाली थी। उसने कभी NEET की तैयारी के बारे में भी नहीं बताया।

'बंगला खाली होगा, कोई माई का लाल नहीं रोक सकता'

एजेंसी, पटना

सरकार ने लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का नोटिस दिया है। राबड़ी देवी ने कहा है कि बंगला खाली नहीं होगा। फोर्स बुलाकर खाली करवा लीजिए। मुजफ्फरपुर में सहयोग शिविर में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राबड़ी देवी के बयान का जवाब दिया है। उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों को लगता है मेरा घर खाली हो जाएगा। पक्का खाली होगा। धरती पर कोई रोक नहीं सकता है। कोई माई का लाल रोक नहीं सकता है। कोई राजतंत्र नहीं है। लोकतंत्र है। मां को अलग घर चाहिए। बेटे को अलग घर चाहिए। मां-बेटे और पति को अलग-अलग सुरक्षा चाहिए। बिहार में हरा गमछा, हरा गमछा शांति का प्रतीक है। जो गुंडागर्दी करेगा उसे तो जेल में डालेंगे ही ना। जो गुंडागर्दी करेगा उसके लिए एक ही जगह है मुजफ्फरपुर की जेल।'

इससे पहले शेखपुरा में CM सम्राट चौधरी ने लालू परिवार पर सियासी वार किया है। उन्होंने कहा है कि बंगला किसी की बपौती नहीं है। लोगों को बंगले से मोह हो गया है। बेटे को अलग घर चाहिए, मां को अलग घर चाहिए। कुछ लोगों को चिंता है कि हमारा घर बचा रहे। मैं कई बार मंत्री बना, बिहार का गृहमंत्री भी बना, लेकिन मैं 2400 स्कव्यार फीट में रहा। मैं जब मुख्यमंत्री आवास में गया तो मैंने कहा, आप बाहर लिखवा दीजिए ये लोकसेवक का आवास है। यहां किसी की बपौती नहीं होती। मैं 1999 में सरकार में मंत्री के तौर पर आया, ये मेरा 11वां घर है। जैसे ही 29 मई को सरकार का ताजा नोटिस राबड़ी आवास पहुंचा, शनिवार को दिल्ली से पटना लौटते ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के तेवर बेहद आक्रामक नजर आए। उन्होंने सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा, '10, सर्कुलर रोड वाला आवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे। सम्राट चौधरी अभी नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं। हम तो चाहते हैं कि वह फोर्स बुला लें और बलपूर्वक हमें यहां से हटा दें, पर हम खुद से नहीं जाएंगे।'

भाभी की लव स्टोरी में देवर की हत्या

एजेंसी, पटना

दानापुर में भाभी की लव स्टोरी में देवर की हत्या हुई है। बॉयफ्रेंड आलोक यादव उर्फ विकास ने सीने में 2 गोलियां मारी थी। पति की मौत के बाद महिला का आलोक से अफेयर शुरू हुआ था। वो आलोक के साथ भाग गई थी। कुछ दिनों पहले महिला ने आलोक को भी धोखा दिया। महिला आलोक के घर से कुछ रुपए और कीमती सामान लेकर भाग गई थी। आलोक को लगा कि महिला का अफेयर देवर इंदल (मृतक) से चल रहा है। इसी को लेकर आलोक का इंदल के साथ विवाद चल रहा था।

पुलिस जांच में पता चला है कि इंदल की हत्या आलोक ने ही की है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। इंदल गैस सिलेंडर वेंडर का काम करता था। मृतक इंदल के भाई संजीत ने आलोक और उसके छोटे भाई छोटू के खिलाफ एफआईआर कराई थी। पुलिस अब पता लगा रही कि छोटू का हत्या

में क्या रोल है। मामला नासरीगंज बिस्कुट फैक्ट्री रोड स्थित तक्षशिला कॉलोनी के पास की है। मामला 31 मई की रात का है। 1 जून को हत्या का कारण पता चला। महिला की पति की मौत 6 साल पहले बीमारी की वजह से हो गई थी। आरोपी आलोक महिला के ससुराल के बगल में किराए पर रहता था। इसी दौरान दोनों का संपर्क हुआ। मृतक इंदल से भी पहचान थी। महिला आलोक के साथ कब भागी थी ये अभी क्लियर नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार आलोक या महिला के मिलने के बाद ही ये स्पष्ट हो पाएगा। महिला के भागने के बाद आरोपी आलोक ने उसके मायके वालों को भी फोन पर धमकी दी थी कि अपनी बेटी को खोजकर लाओ नहीं तो अंजाम बूरा होगा।

3 लाख के इनामी भोला सिंह को भेजा गया जेल

एजेंसी, पटना

पटना जिले के पंडारक निवासी कुख्यात अपराधी और तीन लाख के इनामी भोला सिंह को पुलिस मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल से बाढ़ लेकर आई है। जिसके बाद भोला सिंह की पेशी बाढ़ कोर्ट में हुई। उसे 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में बाढ़ जेल भेज दिया गया है। भोला की पेशी बाढ़ थाना क्षेत्र में हत्या मामले में हुई। चार तारीख को फिर एसीजेएम कोर्ट में उसे पेश किया जाएगा। एसीजेएम कोर्ट में पेशी के बाद उन्हे रिमांड पर भेजा जाएगा। जानकारी अधिवक्ता चंद्रशेकर सिंह ने दी है। भोला को बंगाल से हाथीदह स्टेशन तक ट्रेन से लाया गया, जिसके बाद सड़क मार्ग से बाढ़ थाना लाया गया। भोला सिंह को पश्चिम बंगाल में दो व्यक्तियों के अपहरण से जुड़े मामले में 16 मई को सीबीआई ने सूरत से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद उसे बंगाल ले जाया गया था। वह पिछले 12 साल से फरार चल रहा था और सूरत में गौतम और अमित शर्मा के नाम से अपनी पहचान बदलकर रह रहा था। बिहार के विभिन्न थानों में उस पर हत्या और रंगदारी सहित 11 गंभीर मामले दर्ज हैं।

विवेका पहलवान के भाई की हत्या का भी आरोप है: भोला सिंह एक वक्त में CRPF का जवान था। उसके बाद वो जुर्म की दुनिया में

आया। जदयू विधायक अनंत सिंह से दोस्ती और अदावत के किस्से किसी छिपे नहीं हैं। ये वही भोला सिंह है, जिस पर विवेका पहलवान के भाई संजय सिंह की हत्या का भी आरोप है। भोला सिंह की हत्या की साजिश रचने के आरोप में ही अनंत सिंह के पैतृक आवास में 2019 में रेड हुई थी, पुलिस ने दावा किया था उनके घर से AK-47 बरामद होने का दावा किया था। इस मामले में अनंत सिंह को 10 साल की सजा हुई थी। भोला सिंह का नाम 2021 में पंडारक पूर्वी के मुखिया प्रियरंजन कुमार उर्फ गोरेलाल, पंडारक थाने के एएसआई राजेश कुमार और सिपाही लाल बहादुर की हत्या के मामलों में भी सामने आया था।

अनंत सिंह और भोला सिंह की अदावत: भोला सिंह जुर्म की दुनिया में आने से पहले CPRF का जवान था। उसने कमांडो की ट्रेनिंग भी ले रखी है। नौकरी छोड़कर उसने अनंत सिंह के साथ एनटीपीसी में ठेकेदारी करता था। भोला सिंह एक वक्त में अनंत सिंह की परछाईं बनकर साथ रहता था। 2008 में विवेका पहलवान के भाई संजय सिंह की हत्या हुई थी। इसका आरोप भोला सिंह पर लगा। उस वक्त भोला सिंह अनंत सिंह का काफी करीबी था। 2010 में अनंत सिंह और भोला सिंह के बीच दो करोड़ रुपए को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए। 30 दिसंबर 2013 को पटना के पश्चिमी आनंदपुरी में गैंगवार में कुख्यात राजीव सिंह की हत्या हुई थी। राजीव सिंह अनंत सिंह के खास बताए जाते थे। हत्या का आरोप भोला सिंह पर लगा था। इस मामले में भोला के एक सहयोगी को कारबाईन के साथ पुलिस ने पकड़ा था। इसके बाद अनंत और भोला सिंह आमने-सामने हो गए। 2019 में अनंत सिंह का एक और ऑडियो वायरल हुआ था। इस ऑडियो में भोला सिंह और उनके भाई मुकेश सिंह की हत्या की सुपारी देते और साजिश रचते हुए सुना गया था। बात बढ़ी तो सितंबर 2019 में फोरेंसिक साइंस लैब (FSL) की रिपोर्ट ने पुष्टि की थी कि वायरल ऑडियो में मौजूद आवाज विधायक अनंत सिंह की ही थी।

6 अंचलों में लगा सहयोग शिविर, समस्या पर लोगों ने कहा- जलजमाव बड़ी परेशानी

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम के सभी छह अंचलों में आज सहयोग शिविर लगा है। लोगों की शिकायतें सुनकर समाधान किया जा रहा है। शिविर में लोगों का आना शुरू हो गया है। शिविर में पहुंचे लोगों ने कहा कि जलजमाव सबसे बड़ी परेशानी है। शिकायत की पर आश्वसन मिला, आज उम्मीद लेकर आया हूं। एक शख्स ने कहा कि मुझे हर महीने ब्लॉक दौड़ाया जाता है। वहीं, एक ने कहा कि चारों ओर गंदगी फैली रहती है।

वृद्धा पेंशन से जुड़ी समस्या है: शिविर में पहुंचे सुभाष प्रसाद ने कहा कि वृद्धा पेंशन से जुड़ी समस्या को लेकर हम लोग यहां आए हुए हैं। अगस्त में मैंने अप्लाई किया था, लेकिन अभी तक मुझे पेंशन नहीं मिला है। बैंक अकाउंट इनवेलिड बताया जा रहा है। मगर मेरा बैंक चालू है और उसका केवाईसी भी हो

गया है।

दुर्गंध से हम परेशान हैं: पिरमुहानी के सुरेश कुमार सिंह ने कहा कि रोज जो सफाई होनी चाहिए वह हमारे वार्ड में नहीं होती है डोर टू डोर गाड़ियां भी कभी आती है और कभी नहीं आती है। चारों तरफ गंदगी फैली रहती है। दुर्गंध से हम लोग परेशान हैं।

कॉलोनी में पानी भर जाता है: शिवर में पहुंचे वार्ड नंबर-36 लालजी टोला से पहुंचे संजय कुमार ने कहा कि थोड़ी से बारिश होने पर घुटने भर कॉलोनी में पानी लग जाता है। जिससे हमलोगों को काफी परेशानी होती है। खासकर बच्चों को स्कूल आने-जाने में दिक्कत होती है।

लोगों की शिकायतों का निपटारा हो रहा- डिप्टी सीएम: उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा कि यह निश्चित रूप से खुशी की बात है कि सहयोग शिविर में लोगों की शिकायतों का निपटारा हो रहा है। आज कई लोगों को प्रमाण पत्र भी दिए गए हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद उनका तत्काल निष्पादन किया गया और लोगों का काम पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान की यह व्यवस्था पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दरबार के रूप में शुरू की थी। वर्तमान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और इससे लोगों को राहत मिल रही है। बिहार में मानसून और संभावित बाढ़ की स्थिति पर उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है और पूरा तंत्र अलर्ट मोड में है। नेपाल में अधिक बारिश होती है तो उसका असर बिहार में बाढ़ के रूप में देखने को मिलता है। यह बिहार की भौगोलिक स्थिति से जुड़ी चुनौती है।

बिहार में लगेगा स्पोर्ट्स समर कैंप

एजेंसी, पटना

पटना में इस साल गर्मी छुट्टी में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण द्वारा स्पोर्ट्स समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 8 जून से 20 जून तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में होगा। इसमें 7 से 14 साल के बालक-बालिकाएं भाग ले सकते है। आज से इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू है, जो की 7 जून तक चलेगी। आज से पोर्टल को खोल दिया गया है। इस समर कैंप में हर दिन दो सेशन होगा। पहला सेशन सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और दूसरा सेशन शाम में 6:30 बजे से 8 बजे तक होगा।

फुटबॉल-बास्केटबॉल के साथ मार्शल आर्ट् सिखाया जाएगा : बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रन शंकरण ने कहा कि इस समर कैंप में बेसिक एक्सरसाइज, स्ट्रेंथ, कंडीशनिंग और अलग-अलग गेम के बारे में बच्चों को जानकारी दी जाएगी। इस समय कैंप का मुख्य उद्देश्य गर्मी छुट्टी के समय बच्चों का ज्यादा समय मोबाइल और टीवी पर न बीते, बल्कि वह स्पोर्ट्स एक्टिविटी में शामिल हो जाए।

फुटबॉल-बास्केटबॉल, मार्शल आर्ट सीखने का मिलेगा मौका, आज से रजिस्ट्रेशन शुरू

इस समर कैंप के माध्यम से बच्चों को फुटबॉल के बेसिक ड्रिबलिंग, बास्केटबॉल के बेसिक्स, एडवेंचरस स्पोर्ट्स के रूप में वॉल क्लाइंबिंग, सेल्फ डिफेंस के रूप में मार्शल आर्ट्स जैसे की ताइक्वांडो के बेसिक सिखाए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा बच्चों के साथ स्पोर्ट्स से जुड़े क्विज का भी आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के एक्टिव रहने और स्पोर्ट्स में रुचि लेना है। जितने भी बच्चे इसमें शामिल होंगे उन्हें बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से टीशर्ट रिफ्रेशमेंट और सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

बिहटा में दया दुबे गैंग का पर्दाफाश सरगना समेत 4 अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

बिहटा पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले दया दुबे गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंग के सरगना समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक देसी कट्टा, एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान महुआर निवासी दया दुबे, लाई गांव निवासी ओम सिंह, रामतरी निवासी अभिषेक कुमार तथा रानीतालाब थाना क्षेत्र निवासी शिवम कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दया दुबे गैंग क्षेत्र में रंगदारी मांगने और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय था।

पटना पश्चिमी के सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों

हथियार और मोबाइल बरामद

के आधार पर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान गैंग के सरगना दया दुबे सहित उसके सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी कट्टा, एक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद हथियारों और कारतूसों को जब्त कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

रिश्ता बरकरार रखने के लिए तेजस्वी को वादा निभाना होगा

एजेंसी, पटना

AIMIM के बिहार प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल इमान ने विधान परिषद की एक सीट पर अपनी पार्टी का दावा जताया है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव के समय हमने तेजस्वी यादव की पार्टी ने सहयोग किया था और अब तेजस्वी यादव को अपना वादा पूरा करना चाहिए। अख्तरुल इमान ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के समय भी मेरी पार्टी एक सीट चाहती थी, लेकिन उस समय तेजस्वी यादव ने आगे मौका देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के समय वह सीट हम चाहते थे, लेकिन तेजस्वी यादव ने कहा था कि आगे आप लोगों के लिए देखा जाएगा। अब तेजस्वी यादव को अपना वादा पूरा करना चाहिए। आगे भी कई चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि AIMIM के पास उतनी संख्या नहीं है। जाहिर सी बात है कि सहयोग की जरूरत है। राज्यसभा चुनाव में हमने उनका साथ दिया था, लेकिन उनके ही कुछ लोग पीछे हट गए थे। हमने पूरी ईमानदारी के साथ उनका सहयोग किया था। अख्तरुल

इमान ने कहा कि अगर वे चाहते हैं कि आने वाले दिनों में भी हमारा रिश्ता बना रहे तो उन्हें अपना वादा पूरा करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने राबड़ी देवी के आवास विवाद, मदरसा जांच और कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी।

राबड़ी देवी आवास में रहेंगी तो कयामत नहीं आएगी: राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि जो कानून में प्रावधान है उसी के अनुसार फैसला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर दूसरे लोगों को आवास दिया जा सकता है तो राबड़ी देवी को भी दिया जाना चाहिए। जिस आवास में

अख्तरुल ने विधान परिषद की एक सीट पर किया दावा, बोले- हमने नेता प्रतिपक्ष का साथ दिया था

राबड़ी देवी अभी रह रही हैं वहां उनके रहने से कोई कयामत नहीं आने वाली है।

मदरसा जांच पर दिया समर्थन: राज्य सरकार की ओर से मदरसों की जांच कराने के फैसले पर अख्तरुल इमान ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। जांच होनी चाहिए। स्कूल और कॉलेजों की भी जांच होनी चाहिए। यह एक सामान्य प्रक्रिया है और पहले भी होती रही है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 48 घंटे में न्याय मिलने वाले बयान पर उन्होंने सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि बिहार में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनमें 48 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है। क्या उन सभी मामलों में न्याय मिल गया है। हरे गमछे को लेकर चल रही राजनीतिक चर्चा पर अख्तरुल इमान ने कहा कि उनकी पार्टी का ध्यान विकास और जनता के मुद्दों पर है।

संक्षिप्त समाचार

10 हजार रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी विकास सिंह पर पुलिस का शिकंजा

बीएनएम@ मोतिहारी। हत्या के प्रयास एवं रंगदारी जैसे गंभीर मामलों में वांछित कुख्यात अपराधी विकास सिंह की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। पुलिस के अनुसार विकास सिंह, मनोज सिंह उर्फ विनोद कुमार सिंह का पुत्र है। वह मूल रूप से संग्रामपुर थाना क्षेत्र के भवानीपुर गांव का निवासी है तथा वर्तमान में नगर थाना क्षेत्र के अगरवा में रह रहा है। उसके विरुद्ध नगर थाना कांड संख्या-336/26 में हत्या के प्रयास तथा छतौनी थाना कांड संख्या-291/26 में हत्या के प्रयास एवं रंगदारी का मामला दर्ज है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि विकास सिंह के संबंध में कोई सूचना प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस को अवगत कराएं। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस अभिलेखों के अनुसार विकास सिंह का आपराधिक इतिहास लंबा रहा है। उसके विरुद्ध हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी एवं आर्म्स एक्ट से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। इनमें नगर (बेतिया) थाना कांड संख्या-337/18 में हत्या, माझागढ़ (गोपालगंज) थाना कांड संख्या-168/19 में आर्म्स एक्ट, नगर थाना कांड संख्या-544/14 में हत्या, रक्सौल थाना कांड संख्या-216/17 में आर्म्स एक्ट, नगर थाना कांड संख्या-178/14 में हत्या के प्रयास, नगर थाना कांड संख्या-189/12 में हत्या एवं आर्म्स एक्ट, नगर थाना कांड संख्या-439/15 में रंगदारी तथा नगर थाना कांड संख्या-529/16 में हत्या के प्रयास के मामले शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विकास सिंह की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आर्म्स एक्ट के अभियुक्त को तीन वर्ष की सजा

बीएनएम@ मोतिहारी। आर्म्स एक्ट के एक मामले में मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं चार्जशीट के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (जेएम-1) सुमिता रंजन की अदालत ने त्वरित विचारण के तहत हरसिद्धि थाना कांड संख्या-523/24 (टीआर संख्या-604/2026) की सुनवाई करते हुए अभियुक्त सवा करीम, पिता असरफ आलम, निवासी झरवा, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियुक्त को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए) के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अतिरिक्त धारा 26 आर्म्स एक्ट के तहत दो वर्ष के सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजक पदाधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने प्रभावी पैरवी की। पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं अनुसंधान के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए यह फैसला सुनाया।

एचएचडी मशीन से फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का खुलासा, एक गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। डुमरियाघाट थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। एचएचडी मशीन की सहायता से एक मोटरसाइकिल के फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर का खुलासा होने के बाद पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वाहन जांच के क्रम में बढ़हरवा निवासी नगिना सिंह के पुत्र चुन्नू कुमार सिंह की मोटरसाइकिल की एचएचडी मशीन से जांच की गई। जांच के दौरान मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर आपस में मेल नहीं खाए, जिससे संदेह उत्पन्न हुआ। आगे की जांच में पता चला कि संबंधित मोटरसाइकिल नगर थाना कांड संख्या-538/24 के तहत दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले से जुड़ी हुई है। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चुन्नू कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है तथा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई जारी है।

तुरकौलिया में हाट-बाजारों की जमीन होगी अतिक्रमण मुक्त, अंचल कार्यालय जारी कर रहा नोटिस

बीएनएम@ तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के हाट-बाजारों एवं मेला की सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। अंचल प्रशासन द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिससे अतिक्रमण करने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार मनरेगा की वीबी जीरामजी योजना के तहत ग्रामीण हाट-बाजारों एवं मेला स्थलों का विकास किया जाना है। इसके तहत छोटे-छोटे दुकानों का निर्माण कर व्यवस्थित बाजार की व्यवस्था विकसित की जाएगी। अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि तुरकौलिया, बैरिया, जयसिंहपुर खिरवा बाजार तथा तुरकौलिया मुहर्रम मेला की जमीन पर कई लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है। इन स्थलों की भूमि की पैमाइश कराई जाएगी। मापी के बाद अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर निर्धारित समय सीमा के भीतर जमीन खाली करने का निर्देश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि नोटिस के बावजूद अतिक्रमणकारी भूमि खाली नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। सीओ ने बताया कि सभी हाट-बाजारों की पहचान कर मनरेगा कार्यालय द्वारा इसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेज दी गई है। इसी आधार पर अंचल प्रशासन भूमि की पैमाइश कराएगा और अतिक्रमित जमीन को मुक्त कराएगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन बुलडोजर चलाकर भी सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराएगा। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया एक-दो दिनों के भीतर शुरू कर दी जाएगी, ताकि विकास योजनाओं को समय पर धरातल पर उतारा जा सके।

भीषण गर्मी और उमस में हरसिद्धि में रातभर गुल रही बिजली, उपभोक्ता परेशान

बीएनएम@ हरसिद्धि। भीषण गर्मी और उमस के बीच हरसिद्धि क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। विभागीय स्तर पर कभी 33 हजार वोल्ट लाइन में ब्रेकडाउन, कभी शटडाउन तो कभी ऊपर से आपूर्ति बाधित होने की बात कही जाती है, लेकिन अनियमित बिजली आपूर्ति का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार रात करीब 11:40 बजे अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिसके बाद पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब गया। उपभोक्ता रातभर बिजली बहाल होने का इंतजार करते रहे, लेकिन सुबह 6 बजे तक भी आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे बिजली आने के बाद लोगों को राहत मिली। लगभग 9 घंटे तक बिजली बाधित रहने से लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रातभर पंखे बंद रहने से लोगों की नींद प्रभावित हुई। नौकरीपेशा लोगों, मजदूरों और विद्यार्थियों को विशेष रूप से परेशानी झेलनी पड़ी। पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ कई घरेलू कार्य भी प्रभावित हुए। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति की स्थिति खराब बनी हुई है। बार-बार कटौती और लंबे समय तक आपूर्ति बाधित रहने से लोगों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। उपभोक्ताओं ने विभाग से बिजली व्यवस्था में सुधार करते हुए निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में कनिय अभियंता नीतीश कुमार ने बताया कि सोमवार रात सेमरा में एक गैस कंटेनर बिजली पोल से टकरा गया था, जिससे आपूर्ति बाधित हो गई थी। क्षतिग्रस्त व्यवस्था को दुरुस्त कर लिया गया है और अब नियमित रूप से बिजली आपूर्ति जारी रहेगी।

आपकी खबर को समाचार शैली में संक्षिप्त, व्यवस्थित और प्रकाशन योग्य रूप में पुनर्लेखित किया गया है

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़-2026 की तैयारियों की प्रभारी सचिव ने की समीक्षा, सभी विभागों को सतर्क रहने के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़-2026 के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार को पिपराकोठी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन एवं पशु संसाधन विभाग के सचिव-सह-पूर्वी चंपारण के प्रभारी सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने की। इस दौरान जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात भी उपस्थित रहे। बैठक में प्रभारी सचिव ने सभी विभागों को संभावित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने तथा जनहित में आवश्यक एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया। सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी ने बताया कि जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी) 24 घंटे कार्यरत है। जिले में 20,281 पॉलीथीन शीट उपलब्ध हैं तथा अतिरिक्त 5,000 शीट की मांग की गई है। बाढ़ राहत शिविरों के लिए 285 ऊंचे स्थलों का चयन किया गया है और 165 निजी नाव मालिकों के साथ एकरारनामा किया गया है। इसके अलावा सात मोटरबोट एवं एक एसडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति की गई है। जल संसाधन विभाग ने बताया कि गंडक, बूढ़ी गंडक एवं लालबकेया नदियों के तटबंधों की मरम्मत और बाढ़ सुरक्षा कार्य जारी है। प्रभारी सचिव ने सिंचाई प्रणालियों को सक्रिय रखने और तटबंधों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुखाड़ की आशंका को

देखते हुए कृषि विभाग ने कम वर्षा अथवा मानसून में विलंब की स्थिति के लिए मक्का, मडुआ, अरहर तथा धान की विशेष किस्मों जैसी वैकल्पिक फसलों का प्रस्ताव भेजा है। साथ ही अनावृष्टि की स्थिति में बिचड़ों की सुरक्षा के लिए नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने संभावित महामारी से निपटने के लिए 364 प्रकार की दवाओं एवं आवश्यक चिकित्सा सामग्रियों का भंडारण किया है। सदर अस्पताल में सर्पदंश एवं कुत्ता काटने की दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। वहीं पशुपालन विभाग ने पशुओं के लिए 45 राहत शिविर स्थल चिह्नित किए हैं तथा चलंत पशु चिकित्सा दल का गठन किया है। बैठक में विद्युत विभाग को जर्जर एवं ढीले तारों की मरम्मत कर संभावित आगलगी की घटनाओं की रोकथाम तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वन विभाग को वन्यजीवों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जल संरक्षण कार्यों में तेजी लाने को कहा गया। प्रभारी सचिव ने जिला अग्निशमन पदाधिकारी को भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में नियमित अग्नि सुरक्षा मॉक ड्रिल आयोजित करने तथा आगलगी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, सोशल मीडिया तथा रेडियो-एफएम के माध्यम से लू, बाढ़, सुखाड़, पराली दहन और आगलगी से बचाव संबंधी व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। बैठक के अंत में प्रभारी सचिव ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से तैयारियां पूरी करने तथा आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। साथ ही सभी अंचलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, विशेष कार्य पदाधिकारी अमरेश कुमार, सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, सिकरहना तटबंध, बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल के अभियंताओं सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रक्सौल थाना के नए थानाध्यक्ष बने रमेश कुमार महतो

बीएनएम@ रक्सौल

पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस प्रशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने पुलिस निरीक्षक रमेश कुमार महतो (2009 बैच) को रक्सौल थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह पदस्थापन बेहतर पुलिसिंग, प्रशासनिक दक्षता, कार्यकुशलता एवं प्रभावी प्रशासनिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए किया गया है। रमेश कुमार महतो इससे पूर्व आदापुर, बंजरिया एवं पलनवा थाना क्षेत्रों के पर्यवेक्षी पदाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा वे पश्चिम चंपारण के सिकटा थाना क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पुलिस विभाग के अधिकारियों का मानना है कि कानून-व्यवस्था के संचालन और प्रशासनिक कार्यों में उनके लंबे अनुभव का लाभ रक्सौल थाना क्षेत्र को मिलेगा। नेपाल सीमा से सटा होने के कारण रक्सौल थाना क्षेत्र संवेदनशील और रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में नए थानाध्यक्ष से अपराध नियंत्रण, तस्करी पर अंकुश, आमजन के साथ बेहतर संवाद तथा त्वरित

पुलिस कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है। पुलिस विभाग ने विश्वास जताया है कि रमेश कुमार महतो के नेतृत्व में रक्सौल थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा पुलिस के प्रति आम लोगों का विश्वास और मजबूत होगा।

सहयोग शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, प्रभारी सचिव ने सुनीं जनसमस्याएं

बीएनएम@ मोतिहारी

जिले के पिपराकोठी प्रखंड अंतर्गत पंडितपुर, चकिया के परशुरामपुर तथा मेहसी के कटहा पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में जिला प्रभारी सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने भाग लेकर आम लोगों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। इस अवसर पर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात तथा अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा भी मौजूद रहे। पिपराकोठी के पंडितपुर में आयोजित सहयोग शिविर में मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार ने भी शिरकत की और ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए। शिविर के दौरान प्रभारी सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा आवेदनों की प्राप्ति और निष्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों एवं लाभुकों

ने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों, समस्याओं एवं आवेदनों का मौके पर निष्पादन कराया। इस अवसर पर शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों का अनावश्यक चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए पंचायत एवं स्थानीय स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की सेवाओं को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। प्रभारी सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का अधिकतम लाभ मिल सके।

चंपारण के जर्दालू आम को अब तक नहीं मिला जीआई टैग, किसानों को हो रहा नुकसान

बीएनएम@ बेतिया

पश्चिम चंपारण और पूर्वी चंपारण के कुछ क्षेत्रों में उत्पादित सुगंधित, स्वादिष्ट एवं मीठा जर्दालू आम आज भी भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग की प्रतीक्षा कर रहा है। कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय किसानों का मानना है कि अपनी विशिष्ट गुणवत्ता के बावजूद इस आम को अब तक जीआई टैग नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। जानकारों का कहना है कि पूर्व में जिला प्रशासन के प्रयास से चंपारण के प्रसिद्ध नेटिव मर्चा धान को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है, जिससे किसानों को बेहतर बाजार और अधिक मूल्य मिलने लगा है। इसके विपरीत जर्दालू आम की विशिष्ट पहचान होने के बावजूद इसके उत्पादकों को अभी तक इस लाभ से वंचित रहना पड़ रहा है। चंपारण क्षेत्र में वर्षों से जर्दालू आम की खेती बड़े पैमाने पर की जाती रही है। इसकी आपूर्ति बिहार के अलावा अन्य राज्यों में भी होती है। अपनी खास सुगंध, मिठास और स्वाद के कारण यह आम उपभोक्ताओं के बीच काफी लोकप्रिय है। स्थानीय स्तर पर हर वर्ष जर्दालू आम खाने की प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है, जिसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं और

विजेताओं को सम्मानित किया जाता है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार चंपारण की जलवायु और उपजाऊ मिट्टी जर्दालू आम की खेती के लिए बेहद अनुकूल है। यही कारण है कि पश्चिम एवं पूर्वी चंपारण के कई प्रखंडों में इसकी व्यापक पैदावार होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि जीआई टैग मिलने से इस आम की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनेगी तथा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा। स्थानीय मानवाधिकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुरैया शाहाब ने जिला प्रशासन से मांग की है कि चंपारण के जर्दालू आम को जीआई टैग दिलाने की दिशा में शीघ्र पहल की जाए। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र के आम उत्पादक किसानों की आय बढ़ेगी और इस विशिष्ट उत्पाद को उसकी वास्तविक पहचान मिल सकेगी।

हत्या कांड में छह अभियुक्तों को आजीवन कारावास

बीएनएम@ मोतिहारी

हत्या के एक चर्चित मामले में मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं चार्जशीट के आधार पर न्यायालय ने छह अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। एडीजे-04, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की अदालत ने घोड़ासहन थाना कांड संख्या-335/2017 एवं एसटीआर संख्या-1173/2017 की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। न्यायालय ने मामले में कुल छह अभियुक्तों को हत्या का दोषी पाया। सजा पाने वाले अभियुक्तों में जयशी शाह, विजय राय, लाल बहादुर राय, शिव पूजन राय (पिता-रामवरण राय), शिव पूजन राय (पिता-सूरज राय), सभी निवासी जगीराहा कोठी तथा गोपाल प्रसाद, निवासी कचुराही, थाना-घोड़ासहन, जिला-पूर्वी चंपारण शामिल हैं। न्यायालय ने सभी अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास तथा 50-50 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। इसके अतिरिक्त धारा 147 के तहत दो वर्ष का कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 148 के तहत दो वर्ष का कारावास एवं तीन हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। मामले में अपर लोक अभियोजक ईश्वरचंद्र दुबे ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी पैरवी की। पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों, अनुसंधान रिपोर्ट एवं गवाहों के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए यह फैसला सुनाया।

आबकारी विभाग व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में शराब तस्कर गिरफ्तार, 108 लीटर अवैध शराब बरामद

बीएनएम@ रक्सौल

आबकारी विभाग एवं 47वीं बटालियन एसएसबी की संयुक्त छापेमारी में एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान उसके पास से 108 लीटर नेपाल निर्मित अवैध शराब बरामद की गई। आबकारी थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि नेपाल से अवैध शराब लाकर रक्सौल क्षेत्र में बेची जा रही है। सूचना के आधार पर आबकारी विभाग और एसएसबी की संयुक्त टीम ने पनटोका रेलवे ढाला के समीप छापेमारी की। इस दौरान एक व्यक्ति को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के अहिरवा टोला निवासी स्वर्गीय स्कूर मियां के 44 वर्षीय पुत्र मशरम खान के रूप में की गई है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कुल 108 लीटर नेपाल निर्मित शराब बरामद हुई। आबकारी थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है तथा शराब तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

दो देसी कट्टा और ड्रैगन चाकू के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया

लौरिया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को दो देसी कट्टा, खाली खोखा एवं ड्रैगन चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 2 जून की रात थानाध्यक्ष लौरिया को सूचना मिली थी कि ग्राम बरवा सेख टोली वार्ड संख्या-1 निवासी मोहम्मद कमरान अपने घर में अवैध आग्नेयास्त्र छिपाकर रखा है तथा अपने चचेरे भाई के साथ मिलकर किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक पश्चिम चंपारण

के निर्देश पर लौरिया थाना पुलिस एवं जिला आसूचना इकाई की संयुक्त टीम ने ग्राम बरवा सेख टोली स्थित मोहम्मद कमरान के घर में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान मोहम्मद कमरान और उसके चचेरे भाई इमरुल्लाह आलम को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा दोनों की निशानदेही पर घर की तलाशी लेने पर एक पेटी से दो देसी कट्टा, दो खाली खोखा, एक ड्रैगन चाकू, एक पंच तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मोहम्मद कमरान, पिता मोहम्मद शमीम एवं इमरुल्लाह आलम, पिता फैयाज अहमद, दोनों निवासी ग्राम बरवा सेख टोली, वार्ड संख्या-1, थाना लौरिया, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। इस संबंध में लौरिया थाना कांड संख्या-318/26 दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध मवेशी परिवहन का भंडाफोड़, 17 भैंसें बरामद

पिकअप के साथ, दो गिरफ्तार

बीएनएम@ बगहाः बगहा पुलिस जिले के चौतरवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध मवेशी परिवहन का खुलासा किया है। यह कार्रवाई मंगलवार को भुलहवाड़ीह गांव में की गई, जहां एक पिकअप वाहन पर कुल 17 भैंसों को अमानवीय और क्रूर तरीके से बांधकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को जब्त कर सभी मवेशियों को अपने कब्जे में ले लिया और मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।बगहा पुलिस अधीक्षक रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि बरामद मवेशियों और वाहन को थाना परिसर लाया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। एसपी ने स्पष्ट किया कि जिले में पशु तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

खेल आपसी सौहार्द के लिए महत्वपूर्ण - गौरव

गौंगाकुरा में टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

बीएनएम@ जमुई/झाझा। प्रखंड के गौंगाकुरा मैदान में यूथ स्टार क्लब द्वारा आयोजित 16 ओवरों के टेनिस क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन समाजसेवी गौरव सिंह राठौड़ ने फीता काटकर किया। उद्घाटन मैच जीरी इलेवन बनाम स्टार क्लब के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार क्लब ने निर्धारित 16 ओवरों में 6 विकेट खोकर 139 रन बनाए। जवाब में उतरी जीरी इलेवन की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए महज 11.2 ओवरों में 2 विकेट खोकर 140 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए मोहम्मद फैयाज को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया।मैच में अमन और पंकज ने अंपायर तथा समीर व मोहम्मद मोकिम ने स्कोरर की भूमिका निभाई। इस अवसर पर गौरव सिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल से शारीरिक व मानसिक तनाव दूर होता है। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए चांदवारी मैदान के जीर्णोद्धार की मांग की। आयोजन समिति के मोहम्मद अरमान ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खेल प्रतिभाओं को निखारना है। मौके पर बबन यादव, मैराज अंसारी सहित बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित थे।

कॉलेज भवन निर्माण में धांधली का आरोप, भड़का आक्रोश

गड़बड़ी की शिकायत पर कॉलेज पहुंचे इंजीनियर, लिए सैंपल

बीएनएम@ जमुई/झाझाः झाझा स्थित देव सुंदरी मेमोरियल महाविद्यालय में पीएम ऊषा फंड से बन रहे नए शैक्षणिक भवन के निर्माण में कथित अनियमितता और घटिया सामग्री के इस्तेमाल को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मोर्चा खोल दिया है। कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार किए जा रहे विरोध और शिकायतों के बाद भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के लिए मजबूर होना पड़ा।जानकारी के अनुसार, कॉलेज परिसर की लगभग 14 एकड़ भूमि पर इस नए भवन का निर्माण कराया जा रहा है। एबीवीपी का आरोप है कि निर्माण में मानकों की अनदेखी कर अत्यंत निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे भविष्य में भवन की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है। हंगामे की सूचना पर भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता फिरोज आलम और कनीय अभियंता धीरज कुमार ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सामग्री के नमूने (सैंपल) जांच के लिए एकत्र किए और गुणवत्ता परीक्षण के बाद आगे की कार्रवाई का भरोसा दिया।

मानदेय बढ़ाने के लिए पंचायती राज सचिव को लिखा पत्र

11 साल से महज 7 हजार मानदेय

बीएनएम@ पटना। बिहार की ग्राम कचहरियों में कार्यरत न्यायमित्रों ने अपने मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर पंचायती राज विभाग के सचिव को पत्र भेजा है। न्यायमित्रों का कहना है कि पिछले 11 वर्षों से उन्हें मात्र 7 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिल रहा है, जबकि इस अवधि में महंगाई और उनकी जिम्मेदारियों में काफी बढ़ोतरी हुई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि पंचायती राज विभाग द्वारा 27 जून 2025 को बुलाई गई बैठक के बाद ग्राम कचहरी सचिवों का मानदेय बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया, लेकिन न्यायमित्रों के मानदेय में कोई बदलाव नहीं हुआ। न्यायमित्रों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पद के लिए न्यूनतम योग्यता विधि स्नातक (एलएलबी) है, जबकि सचिव के लिए इंटरमीडिएट है; इसके बावजूद उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विभाग से मानदेय वृद्धि के प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करते हुए तत्काल सम्मानजनक मानदेय तय करने की मांग की है।

महिला के साथ मारपीट , प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम@ जमुई/झाझाः थाना क्षेत्र के बूढ़ीखार गांव में नए मकान में पानी गिराने के मामूली विवाद को लेकर एक महिला और उसके परिवार के साथ मारपीट व छिनतई का मामला सामने आया है। इस संबंध में गांव की ही रहने वाली लक्ष्मी देवी ने थाना में आवेदन देकर दर्जनभर से अधिक लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।दर्ज आवेदन में पीड़िता ने बताया कि वे अपने नए मकान में पानी डाल रही थीं, जो बहकर परती जमीन पर चला गया। इसी बात से नाराज होकर रोहित कुमार, छोटू कुमार, बिट्टू कुमार, नरदेव साव और योगेंद्र साव सहित कुल 13 लोग गाली-गलौज करते हुए लोहे के रॉड से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आईं घर की अन्य महिलाओं को भी पीटा गया। आरोप है कि नामजद आरोपियों ने घर में घुसकर बक्सा तोड़ा और 50 हजार रुपये नगद सहित जेवर लूट लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जमीन नापी के दौरान विवाद, पुलिस जांच में जुटी

बीएनएम@ जमुई/झाझा। जमुई जिले के झाझा थाना क्षेत्र अंतर्गत करमा गांव में मुकदमे में खर्च हुए रुपयों की मांग को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित योगेंद्र यादव ने झाझा थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।आवेदन के अनुसार, योगेंद्र यादव अपने खेत के समीप हो रही जमीन की नापी देखने गए थे। इसी बीच गांव के ब्रह्मदेव यादव, भवन यादव और कपिल यादव सहित आठ लोग हरवे-हथियार से लैस होकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने पूर्व के एक मुकदमे की जमानत में खर्च हुए 20 हजार रुपये रंगदारी के रूप में मांगे। विरोध करने पर उन्होंने योगेंद्र यादव के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन

बीएनएम@ समस्तीपुर। बिहार सरकार के निर्देश पर मोहिउद्दीननगर प्रखंड क्षेत्र की कल्याणपुर बस्ती पश्चिम एवं भदैया पंचायत में पंचायत स्तरीय 'सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान करना तथा सरकारी योजनाओं से जुड़े मामलों का निष्पादन करना था। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) विकास कुमार पांडेय, एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार मेधावी, बीडीओ डॉ. नवकंज कुमार और थानाध्यक्ष सचिन कुमार सहित करीब एक दर्जन प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। शिविर के दौरान पूर्व से निर्धारित 115 आवेदनों का सफलता पूर्वक निष्पादन किया गया। इसके साथ ही मंगलवार को दोनों पंचायतों में लगभग तीन दर्जन नए आवेदन भी प्राप्त हुए, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बीडीओ डॉ. नवकंज कुमार ने बताया कि शिविर में सबसे अधिक आवेदन जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन एवं दाखिल-खारिज से संबंधित मिले हैं।

करंट की चपेट में आने से वृद्ध महिला की मौत, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

बीएनएम@ पताही

थाना क्षेत्र के बोकाने कला पंचायत के वार्ड संख्या 10 में मंगलवार को करंट लगने से एक वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान गांव निवासी रामविलास महतो की 63 वर्षीय पत्नी ममता देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ममता देवी गांव के तेलिया गढ़ी स्थित बगीचे में जलावन के लिए लकड़ी चुनने गई थीं। इसी दौरान वह वहां से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आ गईं। बताया जाता है कि कुछ दिन पूर्व आई तेज आंधी में बिजली का एक पोल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके कारण हाईटेंशन तार काफी नीचे झूल रहा था। लकड़ी चुनने के दौरान महिला का संपर्क उसी तार से हो गया और उन्हें जोरदार करंट लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करंट लगते ही महिला गंभीर रूप से झुलस गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आंधी के बाद पोल टूटने और तार नीचे लटकने की सूचना कई बार विभागीय अधिकारियों को दी गई थी, लेकिन मरम्मत की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते क्षतिग्रस्त पोल और तार की मरम्मत कर दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था। सूचना मिलने पर पताही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। ग्रामीणों और परिजनों ने मृतका के आश्रितों को उचित मुआवजा देने, जर्जर बिजली व्यवस्था की जांच कराने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते बिजली लाइनों की मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में भी ऐसे हादसे होने की आशंका बनी रहेगी।

रामगढ़वा के पखनाहिया और सकरार पंचायत, व धनहर दिहुली पंचायत में सहयोग शिविर आयोजित, जनसमस्याओं का हुआ निपटारा

बीएनएम@ विजय कुमार

> » कुल 242 आवेदनों में से 124 का मौके पर ही हुआ समाधान, शेष के निष्पादन में जुटे अधिकारी

रामगढ़वाः बिहार सरकार द्वारा जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रत्येक पंचायतो में सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है उसी के अंतर्गत प्रखंड क्षेत्र के पखनाहिया सकरार और धनहर दिहूली पंचायत में मंगलवार को विशेष 'सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया। इन शिविरों में अपनी विभिन्न प्रशासनिक व स्थानीय समस्याओं के निपटारे को लेकर बड़ी संख्या में दोनों ही पंचायतों के ग्रामीण पहुंचे थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) मनीष कुमार,इनके साथ मौजूद रहे एस डी पीओ आनंद कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राकेश कुमार, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी (बीपीआरओ) इंद्रजीत दास, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी एंडी सिंह,(एमओ) डॉ. रंजन कुमार ,थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, अपर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार, मुखिया धीरज कुमार सहित कई विभागों के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे। शिविर के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से आम लोगों की शिकायतें सुनीं। तीनो पंचायतों से कुल मिलाकर 242 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से त्वरित कार्रवाई करते हुए 124 आवेदनों का मौके पर ही उचित समाधान कर दिया गया। शेष बचे आवेदनों के निष्पादन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी लगातार काम कर रहे हैं। मौके पर मौजूद बीडीओ राकेश कुमार ने बताया कि बाकी बचे हुए आवेदनों का भी जल्द से जल्द प्रखंड स्तरीय टीम द्वारा निपटारा कर दिया जाएगा, ताकि आम जनता को अपनी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

तीन पंचायतों में विशेष सहयोग शिविर, आए 400 आवेदन

बीएनएम@ बैरिया

पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड क्षेत्र की लौकरिया, दक्षिणी पटजिरवा और फुलियाखांड पंचायतों में मंगलवार को विशेष सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान करना और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) कर्मजीत राम ने बताया कि तीनों पंचायतों में आयोजित इस शिविर में कुल 400 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 70 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया।शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे स्थानीय विधायक नारायण प्रसाद ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की इस अनूठी पहल का उद्देश्य ग्रामीणों को प्रखंड कार्यालय के चक्कर काटने और बिचौलियों के चंगुल से बचाना है। अब लोगों की समस्याओं का समाधान उनके पंचायत स्तर पर ही होगा। हालांकि, विधायक ने राजस्व विभाग के काउंटर पर बढ़ती भीड़ को देखकर कार्य में लापरवाही पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को त्वरित गति से काम करने के निर्देश दिए।शिविर में राजस्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और लोहिया स्वच्छ बिहार मिशन की टीमें मौजूद रहीं। अंचलाधिकारी मुकेश कुमार और पीएचसी प्रभारी डॉ. मिथिलेश चंद्र सिन्हा सहित कई अधिकारियों की मौजूदगी में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई और उनकी शिकायतों के निपटारे के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

पश्चिम चम्पारण की 44 पंचायतों में सहयोग शिविर, उमड़ी भारी भीड़

बीएनएम@ बेतिया

गांव में ही ऑन-द-स्पॉट हुआ समस्याओं का निपटारा

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को पश्चिम चम्पारण जिले की 44 ग्राम पंचायतों में 'सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया। इन शिविरों में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और हजारों आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निष्पादन की प्रक्रिया तत्काल शुरू की गई। मौके पर राजस्व, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, दाखिल-खारिज और आयुष्मान भारत सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की सुनवाई कर कई लंबित समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान किया गया।सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव-सह-पश्चिम चम्पारण के प्रभारी सचिव अभय कुमार सिंह ने योगापट्टी के नवलपुर, लौरिया के धोबनी और नौतन प्रखंड के बैकुण्ठवा पंचायत में आयोजित शिविरों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने लाभुकों से सीधा संवाद कर अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशील होने का निर्देश दिया। प्रभारी सचिव ने कहा कि इन शिविरों के जरिए ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनके गांव में ही सुनिश्चित हो रहा है, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे हैं।शिविरों के सफल संचालन के लिए जिला पदाधिकारी (डीएम) तरनजोत सिंह, शौर्य सुमन और एसपी रामानंद कुमार कौशल सहित कई वरीय अधिकारियों ने विभिन्न पंचायतों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम तरनजोत सिंह ने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर ये शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिसका लक्ष्य हर पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति तक बिना किसी कठिनाई के सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

सहयोग शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भीड़, बिजली, आवास और पेंशन संबंधी शिकायतों पर हुई सुनवाई

बीएनएम@ पताही

प्रखंड की सरेयागोपाल पंचायत में मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर में ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और बिजली, आवास, राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, मनरेगा, जल निकासी तथा सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं। शिविर का निरीक्षण जिला पंचायती राज पदाधिकारी रामजनम पासवान ने किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर में ग्रामीणों ने बिजली आपूर्ति में अनियमितता, प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति में देरी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन तथा नाली-गली निर्माण से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि अन्य शिकायतों को जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने बताया कि सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को आम लोगों तक सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित ऐसे शिविरों से लोगों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलता है, जिससे समाधान की प्रक्रिया तेज होती है। बिजली विभाग के कनीय अभियंता नरेंद्र कुमार ने विद्युत संबंधी शिकायतों की सुनवाई कर उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। वहीं पंचायत के मुखिया सुरेश प्रसाद सिंह ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखने की अपील की। शिविर में कनीय अभियंता राजेंद्र कुमार, रोजगार सेवक विमलेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के कर्मी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। शिविर के दौरान लोगों की सक्रिय भागीदारी और समस्याओं के समाधान को लेकर उत्साह देखने को मिला।

पूर्व सांसद की 79वीं जयंती पर दी गई श्रद्धांजलि

बीएनएम@ बैरिया

पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड अंतर्गत बगही रतनपुर पंचायत स्थित मुसहर टोली गांव में मंगलवार को जननायक व पूर्व सांसद स्वर्गीय बैद्यनाथ प्रसाद महतो की 79वीं जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जदयू के जिला सचिव व रोगी कल्याण समिति के सदस्य सोहन सहनी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं और ग्रामीणों ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।इस अवसर पर जदयू नेता सोहन सहनी और हिफाजत आलम ने उनके संघर्षों को याद करते हुए कहा कि बैद्यनाथ बाबू गरीबों, वंचितों के सच्चे मसीहा थे, जिन्होंने चंपारण के विकास और इसे अपराधमुक्त बनाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वक्ताओं ने रेखांकित किया कि दस्यु सरगनाओं के आतंक से चंपारण को मुक्ति दिलाने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़कर राजनीति की राह चुनी और 'ग्राम रक्षा दल' का गठन कर ऐतिहासिक संघर्ष किया। इस अभियान में उन्हें जॉर्ज फर्नांडिस और नीतीश कुमार जैसे शीर्ष नेताओं का भी सहयोग मिला।

युवक पर कुर्सी तानते सीओ का वीडियो वायरल, सहयोग शिविर में हंगामा

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के मधुबनी अंचल अंतर्गत मुसहरी गांव में आयोजित सहयोग शिविर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में मधुबनी के अंचल अधिकारी (सीओ) नंदलाल राम एक युवक के साथ तीखी बहस के दौरान बेहद आक्रामक होकर कुर्सी उठाकर उसकी ओर बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया, जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिविर में वीडियो बनाने को लेकर सीओ और युवक के बीच कहासुनी शुरू हुई थी, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि संबंधित युवक एक मीडियाकर्मी है। इस हंगामे के चलते शिविर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इस मामले में प्रशासनिक अधिकारी के आक्रामक रवैये पर लोग सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

खुटौना के लाल ने रचा इतिहास, सेल्फ-स्टडी से जेईई एडवांस में पाई शानदार सफलता

बीएनएम@ पताही

पताही प्रखंड के खुटौना (मठ टोला) गांव के होनहार छात्र संजीत कुमार साह ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। संजीत ने परीक्षा में 113 अंक प्राप्त कर ओबीसी-एनसीएल श्रेणी में 4369वीं रैंक तथा ऑल इंडिया रैंक 16506 हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से गांव समेत पूरे इलाके में खुशी का माहौल है। आज जहां जेईई जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षा की तैयारी के लिए अधिकांश छात्र बड़े शहरों की महंगी कोचिंग संस्थाओं का सहारा लेते हैं, वहीं संजीत ने घर पर रहकर स्व-अध्ययन के बल पर यह सफलता अर्जित की है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य पर निरंतर ध्यान केंद्रित रखा और कठिन परिश्रम से सफलता की नई मिसाल कायम की। संजीत की सफलता में उनके परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके पिता सुभाष कुमार साह और दादा प्रभु साह ने हर कदम पर उनका उत्साहवर्धन किया तथा पढ़ाई के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया। परिवार के सहयोग और संस्कारों ने उन्हें कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। संजीत की प्रारंभिक एवं स्कूली शिक्षा पताही क्षेत्र में ही हुई। बचपन से ही मेधावी और अध्ययनशील रहे संजीत ने नियमित पढ़ाई, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास को अपनी सफलता का आधार बनाया। उन्होंने यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और ईमानदार मेहनत के सामने संसाधनों की कमी बाधा नहीं बनती। संजीत का सपना देश के किसी प्रतिष्ठित आईआईटी में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) की पढ़ाई कर एक सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनने का है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, दादा, शिक्षकों और शुभचिंतकों को दिया। जेईई एडवांस का परिणाम घोषित होने के बाद से ही संजीत के घर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। गांव के लोगों, रिश्तेदारों, मित्रों और शिक्षकों ने मिठाई खिलाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। विद्यापति पब्लिक स्कूल के शिक्षकों ने भी इस उपलब्धि को विद्यालय और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संजीत कुमार साह की यह सफलता केवल खुटौना गांव ही नहीं, बल्कि पूरे पताही प्रखंड और पूर्वी चंपारण जिले के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर किसी भी बड़े मुकाम को हासिल किया जा सकता है।

दो चुनौतियां, एक सबक

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो। दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय 'मेमफ्लेशन' की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों- खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना+1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट-पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं। नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं! एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनेल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी।

तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति शृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू-राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उन्हें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

ललित गर्ग

(विश्व साइकिल दिवस, 3 जून 2026 पर विशेष)

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआं छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं।

खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं, जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक, सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम, कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। विश्व साइकिल दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही है कि समाज साइकिल के बहुआयामी महत्व को समझे और इसे दैनिक जीवन में अपनाए। यह दिवस हमें बताता है कि बड़े परिवर्तन हमेशा जटिल तकनीकों से नहीं आतेय कभी-कभी एक साधारण दो पहियों वाला वाहन भी मानवता को बेहतर भविष्य की दिशा दिखा सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम साइकिल को अतीत की वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखें। जब दुनिया सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है, तब साइकिल एक ऐसा माध्यम है जो स्वास्थ्य, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय-सभी क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम स्वस्थ शरीर, स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन चाहते हैं, तो साइकिल को पुनः अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यह केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है-सादगी, संतुलन, स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवन-दर्शन। आने वाला भारत तभी अधिक स्वस्थ, हरित और प्रगतिशील बन सकेगा जब साइकिल फिर से उसकी सड़कों, गलियों और जनजीवन की धड़कन बनेगी। यही विश्व साइकिल दिवस की सार्थकता है और यही हरियाली भरे भविष्य की दिशा में हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

वीआईपी अपराधियों के लिए जेल मानो होटल?

रजनीश कपूर

सवाल है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। राम रहीम को 2020 से 2026 तक 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे।

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सज़ा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वे बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं।

उल्लेखनीय है कि 2017 में दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सेल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जबकि सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही।

जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन राम रहीम को बार-बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। रोहतक जेल में उनका रहना आम कैदियों के लिए कठिनाइयों के बीच विपरीत तस्वीर पेश करता है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही।

ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक और पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में इसका दुरुपयोग स्पष्ट दिखता है। 2020 से 2026 तक उन्हें 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे। मई 2026 में मिली 30 दिन की पैरोल पर वे जेल से बाहर निकले और सिरसा डेरे पहुंचे। यह उनकी 2026 की दूसरी पैरोल थी। कथित तौर पर ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं। क्योंकि ये रिहाइयां अक्सर चुनावों, धार्मिक कार्यक्रमों या त्योहारों के आसपास दी गईं। 2022 पंजाब, 2023 राजस्थान, 2024 हरियाणा चुनावों से पहले भी ऐसी छूट मिली। डेरे के लाखों अनुयायी एक बड़ा वोट बैंक हैं, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगते रहे।

बलात्कार और हत्या के अपराधी राम रहीम की बार-बार रिहाई पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है। 2017 में सजा के बाद हुए दंगे में 40 लोगों की मौत हुई थी। गवाहों पर दबाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति समेत कई संगठन इन पैरोलों की निंदा करते हैं। पत्रकार अंशुल छत्रपति ने इसे "कानून का मजाक" बताया। आम कैदियों के लिए पैरोल मिलना मुश्किल होता है। हरियाणा के आंकड़ों के अनुसार, जेलों में हजारों कैदी हैं, लेकिन सीमित संख्या को ही ऐसी छूट मिलती है। ऐसे में ये कहना ग़लत नहीं होगा कि राम रहीम को मिलने वाली लगातार रिहाइयां अन्य कैदियों में असंतोष पैदा करती हैं।

गौरतलब है कि रोहतक की सुनारिया जेल सामान्य रूप से क्षमता से अधिक भरी रहती है। कैदियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिलती हैं। लेकिन राम रहीम के लिए यहां विशेष इंतजाम किए जाते रहे। आरामदायक रहन-सहन, बेहतर भोजन और लगातार बाहर जाने की छूट। यह जेल उनके लिए सजा की जगह आरामगाह बन गई है। एक तरफ़ तो जेल सुधार की बातें होती रहती हैं, लेकिन वहीं दूसरी ओर उच्च प्रभाव वाले कैदियों को मिलने वाली सुविधाएं व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती हैं। जहां गरीब या सामान्य अपराधी सालों जेल में सड़ते हैं, वहीं प्रभावशाली व्यक्ति यहाँ एक लक्ज़री होटल जैसी जिंदगी जीते दिखते हैं।

सवाल उठता है कि इस का क्या समाधान संभव है? पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य पुनर्वास है, न कि दुरुपयोग। इसलिए पुलिस प्रशासन व सरकार को इनमें पारदर्शिता लानी चाहिए। जैसे कि, रिहाई के फैसले स्वतंत्र समिति से करवाए जाएं। चुनाव के समय पैरोल पर रोक लगे। सभी कैदियों के लिए समान नियम लागू हों। जेलों में सीसीटीवी और मैन्युअल निगरानी की सख्ती बढ़े।

गुरमीत राम रहिम के मामले में हरियाणा सरकार को ख़ुद पर लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और अन्य संगठनों की आलोचना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

गुरमीत राम रहीम जैसे प्रभावशाली अपराधियों को मिलने वाले ऐशो-आराम का मामला सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल है। रोहतक जेल अगर एक कैदी के लिए होटल बन जाती है, तो कानून की गरिमा कहां रह जाती है? पैरोल का प्रावधान सभी के लिए समान होना चाहिए, न कि चुनिंदा प्रभावशालियों के लिए विशेषाधिकार। समाज को इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ताकि कानून वाकई सबके लिए समान हो। राम रहीम की लगातार रिहाइयां न केवल पीड़ितों का अपमान हैं, बल्कि पूरे न्याय तंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। जेल सजा की जगह होनी चाहिए, न कि आराम की।

सिस्टमÓ: न्याय, सत्ता और संवेदनाओं के बीच की बेचैनी

पंकज दुबे

भारतीय सिनेमा में अदालतों और न्याय व्यवस्था पर आधारित फ़िल्में हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। ऐसी फ़िल्मों की सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे केवल कानूनी बहसों तक सीमित न रह जाएं, बल्कि इंसानी भावनाओं, सामाजिक यथार्थ और सत्ता की जटिलताओं को भी अपने भीतर समेट सकें। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित नई हिंदी फ़िल्म 'सिस्टमÓ इसी चुनौती को स्वीकार करती है। आज के सिने-सोहबत में इसी फ़िल्म पर चर्चा करते हैं। 'सिस्टमÓ केवल एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जिसमें सच, शक्ति और विशेषाधिकार अक्सर एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं। फ़िल्म में सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आशुतोष गोवारिकर जैसे अनुभवी कलाकार कहानी को अतिरिक्त वजन देते हैं।

'सिस्टमÓ की कहानी दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। एक ओर है नेहा राजवंश, जो विशेषाधिकार प्राप्त दुनिया से आने वाली सरकारी वकील है, और दूसरी ओर है सारिका रावत, जो अदालत की दुनिया में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर खड़ी एक स्टेनोग्राफर है। दोनों अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमियों से आती हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद असमानताओं और सत्ता के खेल से उनका सामना उन्हें एक साझा संघर्ष की ओर ले जाता है। फ़िल्म का मूल प्रश्न यही है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है, या फिर व्यवस्था केवल शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करती है?

निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने करियर में अक्सर साधारण लोगों की असाधारण कहानियां कही हैं। 'निल बट्टे सन्नाटाÓ, 'बरेली की बर्फीÓ और 'पंगाÓ जैसी फ़िल्मों में उन्होंने छोटे शहरों, पारिवारिक रिश्तों और व्यक्तिगत संघर्षों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया था। 'सिस्टमÓ में वह पहली बार अपेक्षाकृत गहरे और गंभीर कोर्टरूम स्पेस में प्रवेश करती हैं। यह बदलाव दिलचस्प है क्योंकि यहां उनका परिचित मानवीय दृष्टिकोण तो मौजूद है, लेकिन उसके साथ एक राजनीतिक और संस्थागत आलोचना भी जुड़ जाती है।

फ़िल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका वातावरण है। अदालत की कार्यवाही, कानूनी प्रक्रियाएं और उनके पीछे छिपी शक्ति संरचनाएं काफी विश्वसनीय लगती हैं। कैमरा अक्सर पात्रों के चेहरों पर ठहरता है, जिससे उनके भीतर चल रहे संघर्ष दर्शकों तक पहुंचते हैं। कई दृश्यों में संवादों से अधिक मौन काम करता है। अश्विनी अय्यर तिवारी यहां शोर मचाने वाली फ़िल्म नहीं बनातीं; वह दर्शकों को धीरे-धीरे उस दुनिया में ले जाती हैं जहां सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली होती जाती है।

सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश के किरदार में अपने करियर के सबसे परिपक्व अभिनय में से एक दिया है। यह किरदार केवल एक वकील का नहीं, बल्कि उस व्यक्ति का है जो अपने विशेषाधिकारों और नैतिक जिम्मेदारियों के बीच फंसी हुई है। सोनाक्षी ने इस आंतरिक संघर्ष को बड़े संयम से निभाया है। कई जगह उनके चेहरे के भाव संवादों से अधिक प्रभाव पैदा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में 'दहाड़Ó जैसी परियोजनाओं में उन्होंने जिस गंभीर अभिनय क्षमता का परिचय दिया था, 'सिस्टमÓ उसे और आगे बढ़ाती है। वहीं ज्योतिका फ़िल्म की भावनात्मक धुरी बनकर उभरती हैं। सारिका रावत के रूप में उनका प्रदर्शन अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है। उनके किरदार में गुस्सा भी है, विवशता भी और आत्मसम्मान भी। ज्योतिका अपने अभिनय से यह महसूस करा देती हैं कि व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर खड़े लोग किस तरह रोज़ अन्याय का सामना करते हैं। कई दृश्यों में उनका अभिनय फ़िल्म को नई ऊंचाई देता है। अशुतोष गोवारिकर का काम भी उल्लेखनीय है। उनका अनुभव स्क्रीन पर साफ़ दिखाई देता है। वह कहानी में स्थिरता और गंभीरता जोड़ते हैं। सहायक कलाकारों ने भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से किया है, जिससे फ़िल्म का संसार विश्वसनीय बनता है।

फ़िल्म का लेखन महत्वाकांक्षी है। यह केवल एक मुकदमे की कहानी नहीं कहना चाहता, बल्कि पूरे न्यायिक ढांचे पर टिप्पणी करना चाहता है। कई दृश्य ऐसे हैं जहां फ़िल्म महत्वपूर्ण सवाल उठाती है कि क्या कानून और न्याय एक ही चीज़ हैं? क्या सच हमेशा अदालत में जीतता है? क्या सामाजिक हैसियत फैसलों को प्रभावित करती है? इन प्रश्नों के कारण फ़िल्म विचारोत्तेजक बनती है।

हालांकि, यहीं फ़िल्म की कुछ कमजोरियां भी सामने आती हैं। कई बार ऐसा महसूस होता है कि फ़िल्म के पास अच्छे विचार तो हैं, लेकिन वह उन्हें पूरी गहराई तक विकसित नहीं कर पाती। कुछ उपकथाएं अधूरी लगती हैं और कुछ महत्वपूर्ण संघर्ष सतही स्तर पर ही रह जाते हैं। कोर्टरूम ड्रामा के रूप में फ़िल्म कई बार उतनी तीखी नहीं बन पाती जितनी उसकी विषयवस्तु मांग करती है। फ़िल्म का दूसरा भाग विशेष रूप से मिश्रित प्रभाव छोड़ता है। शुरुआती हिस्से में जो रहस्य और तनाव निर्मित होता है, वह बाद में थोड़ी गति खो देता है। कुछ दृश्य अनावश्यक रूप से लंबे महसूस होते हैं। दर्शकों को यह भी लग सकता है कि फ़िल्म अपने सबसे साहसी राजनीतिक निष्कर्षों तक पहुंचने से पहले ही रुक जाती है। व्यवस्था की आलोचना मौजूद है, लेकिन वह कई बार सुरक्षित दायरे में रहती है।

तकनीकी पक्ष की बात करें तो फ़िल्म का कैमरावर्क काफ़ी प्रभावशाली है। अदालतों के बंद कमरों, गलियारों और वेटिंग क्षेत्र को जिस तरह फिल्माया गया है, वह कहानी के दबाव और घुटन को महसूस कराता है। बैकग्राउंड स्कोर भी संयमित है। संगीत कभी भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि उसके भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है।

'सिस्टमÓ की एक और विशेषता इसकी महिला दृष्टि है। यह फ़िल्म महिलाओं को केवल पीड़ित या आदर्शवादी पात्रों के रूप में नहीं दिखाती। यहां महिलाएं जटिल हैं, महत्वाकांक्षी हैं, गलतियां भी करती हैं और कठिन फैसले भी लेती हैं। अश्विनी अय्यर तिवारी का यह दृष्टिकोण हिंदी सिनेमा में अक्सर दिखाई नहीं देता। फ़िल्म की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यही है कि वह अपने महिला पात्रों को पूर्ण मनुष्य की तरह प्रस्तुत करती है।

अश्विनी अय्यर तिवारी के फ़िल्मी सफर को देखें तो 'सिस्टमÓ उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ की तरह दिखाई देती है। यह उनकी सबसे परिपक्व या सबसे प्रभावशाली फ़िल्म नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। वह अपने परिचित भावनात्मक क्षेत्र से बाहर निकलकर एक बड़े सामाजिक और संस्थागत विषय को छूने की कोशिश करती हैं। यह प्रयास सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम पूरी तरह निर्दोष न हो।

आज का राशिफल

मेष राशि : मेष रा मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी तारीफ करेंगे।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों का समाज में मान सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका पुराना दोस्त आपको फोन कर के सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। आपके काम की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशिःकुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे। बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे। आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेंगी। अगर आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपनी पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए हेटमायर और अल्जारी को शामिल किया

एजेंसी, जमैका

3 जून से 8 जून श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की वेस्टइंडीज टीम में वापसी हुई है। ये दोनो ही फिट नहीं होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। ये सीरीज अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने के वेस्टइंडीज के अभियान के लिए अहम मानी जा रही है।

हेटमायर को एकदिवसीय टीम में शामिल करना अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए योजना का एक हिस्सा माना जा रहा है। वह सीरीज के तीसरे और अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे। उनकी आने से टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी। वहीं, तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ जुलाई 2025 से ही पीठ की चोट के कारण बाहर थे और अब लगभग एक साल बाद खेल में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। उनके अलावा स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह मिली है, जिससे गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होने की उम्मीद है। यह एकदिवसीय सीरीज 3 जून से 8 जून तक जमैका के सबीना पार्क में खेली जाएगी। यह सीरीज वेस्टइंडीज के लिए 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अभियान की शुरुआत मानी जा रही है। ऐसे में इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन को लेकर टीम पर दबाव होगा। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने श्रीलंका को एक मजबूत और अनुशासित एकदिवसीय टीम करार दिया है। सैमी के अनुसार श्रीलंकाई खिलाड़ी हालातों के अनुसार खेलते हैं। सैमी ने कहा कि इस सीरीज से उनकी टीम को अपने खेल का स्तर जानने और उसमें सुधार करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छे प्रदर्शन पर भी जोर दिया है। कोच सैमी ने कहा कि टीम की रणनीति निडर होकर आक्रामक अंदाज में खेलना रहेगा पर इसका मतलब ये नहीं होगा कि टीम गलती करेगी। उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी मजबूत पहचान बनाना रहेगा। उनका लक्ष्य घरेलू मैदान पर विरोधी टीमों के लिए कठिनाई पैदा करना रहेगा।

आईपीएल 2026 में फ्लाप रहे बुमराह

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल का 2026 सत्र बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। वहीं उनकी टीम मुम्मई इंडियंस को उम्मीद थी कि वह धमाकेदार प्रदर्शन करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। बुमराह पूरे सत्र में संघर्ष करते दिखे और उनकी गेंदों पर काफी चौके और छक्के तक लगे। इसके कारण मुम्बई इंडियंस को भी काफी नुकसान उठाना पड़ा। इस पूरे सत्र में बुमराह 13 मुकाबलों में केवल 4 विकेट ही ले पाये। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा। ये किसी आईपीएल सत्र में 30 से अधिक ओवर फेंकने वाले किसी भी गेंदबाज के लिए सबसे खराब आंकड़ा है। विकेट लेने की अपनी असाधारण क्षमता के लिए मशहूर बुमराह एक भी मैच में बल्लेबाजों पर दबाव नहीं डाल सके। वह हर मैच में विकेट के लिए तरसते दिखे। 9 मैचों में तो वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एक भी मैच में बुमराह दो विकेट तक नहीं ले पाये।

उनके पिछले रिकॉर्ड्स को देखते हुए, यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सत्र रहा। इससे पहले साल 2013 और 2015 में भी उन्होंने केवल 3-3 विकेट ही लिए थे पर तब वह नये गेंदबाज थे। वहीं स बार पूरा सत्र खेलने के बाद भी वह विफल रहे। बुमराह के इस प्रकार असफल होने से उनकी टीम मुंबई इंडियंस भी प्रभावित हुई और केवल चार मैच ही जीतकर अंक तालिका में नवें स्थान पर रही। वहीं बुमराह के लय में नहीं होने से विरोधी टीमों ने मुम्बई के अन्य गेंदबाजों को भी जमकर पीटा। इससे टीम को भी 10 मैचों में हार झेलनी पड़ी।

वैभव सूर्यवंशी पर अध्ययन करेगा आईआईएम इंदौर

एजेंसी, इंदौर

ईपीएल 2026 में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको हैरान करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को मिली सफलता से सभी हैरान हैं। प्रशंसकों को ये समझ नहीं आ रहा है कि इतनी कम उम्र में कोई इतना सफल कैसे हो सकता है। इसी को देखते हुए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर ने वैभव के मामले को दुर्लभ मानते हुए अध्ययन का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी उम्र से कहीं बेहतर बल्लेबाजी क्षमता और छक्के मारने की कला के पीछे के रहस्यों का खुलासा करने के लिए खेल, मनोविज्ञान और प्रबंधन के शीर्ष विशेषज्ञ एक साथ काम करेंगे। किसी खिलाड़ी पर आधारित यह देश का पहला अध्ययन होगा जिसमें ये जानने का प्रयास किया जाएगा कि इतनी कम उम्र के बाद भी वह मैचों के दौरान विपरीत हालातों के बीच भी दबाव में क्यों नहीं आते। वैभव ने आईपीएल सत्र में सबसे अधिक 72 छक्के लगाकर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल का 14 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इसके अलावा 700 से अधिक रन बनाये। वह इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। ये अध्ययन केवल वैभव की खेल उपलब्धियों का ही विश्लेषण नहीं करेगी, बल्कि उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक और संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझने की कोशिश करेगी।

आईसीसी ने टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल सहित कई बदलावों को दी मंजूरी

एजेंसी, दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यहां हुई अपनी सालाना आम बैठक में टेस्ट क्रिकेट में गुलाबी गेंद के प्रयोग सहित कई अन्य बदलावों को अपनी मंजूरी दे दी है हालांकि ये सभी नियम इस साल अक्टूबर से अमल में लाये जाएंगे। आईसीसी ने कहा है कि खराब रोशनी के दौरान गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। आईसीसी ने इसके अलावा टीम के मुख्य कोच को ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति भी दे दी है। वहीं इस दो दिवसीय बैठक में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। आईसीसी के बयान के अनुसार, टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद का उपयोग दोनों टीमों की सहमति से परीक्षण के आधार पर किया जाएगा जिससे खराब रोशनी की स्थिति में अधिक से अधिक समय तक खेल हो सके। इस नई व्यवस्था के तहत, मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि दिन के खेल के दौरान रोशनी कम हो जाती है और कुछ ओवर बाकी रह जाते हैं, तो दोनों टीमों की सहमति पर उन शेष ओवरों को फ्लडलाइट्स के दौरान गुलाबी गेंद से पूरा किया जा सकेगा हालांकि भारतीय टीम इस व्यवस्था को स्वीकार करेगी ये अभी पक्का नहीं है क्योंकि भारतीय क्रिकेटर घरेलू हालातों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी तैयार नहीं थे।

मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय, युवाओं की भागीदारी बढेगी

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में 9 वें स्थान पर रही। टीम के स्टार खिलाड़ी भी असफल रहे। इसका अंदाजा इसी से होता है कि सबसे अधिक रन बनाने और विकेट लेने वाले शीर्ष दस-दस खिलाड़ियों में इसका एक भी खिलाड़ी शामिल नहीं था। आईपीएल के पिछले सत्र में भी टीम का प्रदर्शन खराब रहा था। इस प्रकार लगातार दो सत्र में निराशाजनक सत्र को देखते हुए अब माना जा रहा है कि मुंबई इंडियंस में बड़े बदलाव होने तय हैं। फ्रेंचाइजी अब टीम को नए सिरे से तैयार करना चाहती है। इसके तहत टीम में कप्तानी में बदलाव और एक अनुभवी बल्लेबाज को अलग भूमिका देने की योजना शामिल है। आईपीएल 2024 में 10वें और आईपीएल 2026 में 9वें स्थान पर रहने के बाद टीम प्रबंधन अब ये बदलाव करने जा रहा है। टीम में अब युवा खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ायी जा सकती है।

कप्तान हार्दिक पांड्या के भविष्य को लेकर जारी संशय के बीच ही टीम अब नए नेतृत्व विकल्पों की तलाश में है। ये भी कहा जा रहा है कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को कप्तान बनाने जाने की संभावना है। युवा तिलक को आईपीएल 2027 से मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी जा सकती है। तिलक पिछले कुछ साल से लगातार मुंबई इंडियंस में शामिल रहे हैं और अपने लगातार प्रदर्शन से टीम प्रदर्शन का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं।

बिजनेस

भारतीय शेयर बाजार वैश्विक बाजार पूंजीकरण रैंकिंग में 7वें स्थान पर खिसका

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच घरेलू शेयर बाजार के लिए वैश्विक मोर्चे पर झटका लगने वाली आई है। भारतीय शेयर बाजार अब वैश्विक बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) रैंकिंग में सातवें स्थान पर खिसक गया है। स्टॉक मार्केट एडवाइजरी और सेबी रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म यूनिवेस्ट के मुताबिक 2 जून तक भारतीय शेयर बाजार वैश्विक इक्विटी बाजार पूंजीकरण रैंकिंग में फिसलकर सातवें स्थान पर आ गया है। इसकी वजह चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनियां हैं, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के दम पर लगातार रिकॉर्ड बना रही हैं। साउथ कोरिया की कंपनियों की मार्केट कैप 86 फीसदी बढ़कर 5 ट्रिलियन डॉलर (करीब 475 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच गया है, जबकि भारतीय शेयर बाजार का मार्केट कैप अब घटकर 4.8 ट्रिलियन डॉलर (करीब 456 लाख करोड़ रुपये) रह गया है। यूनिवेस्ट के आंकड़ों के अनुसार लगातार खराब प्रदर्शन के कारण निफ्टी और सेंसेक्स को इस साल अब तक 11-13 फीसदी का नुकसान हुआ है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण इसमें सुधार के कोई तत्काल संकेत नहीं दिख रहे हैं। इसकी मुख्य वजहें हैं, अमेरिका और ईरान में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों का बढ़कर 95 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचना, अकेले मई महीने में एफआईआई द्वारा 55,963 करोड़ रुपये की बिकवाली, और सामान्य से कम मॉनसून का पूर्वानुमान। भारतीय शेयर बाजार की रैंकिंग में आई ये गिरावट इसलिए ज्यादा अहम है, क्योंकि 2024 में भारतीय स्टॉक मार्केट ग्लोबल रैंकिंग में 4वें स्थान तक पहुंच गया था। उसके बाद ग्लोबल मैक्रो-आर्थिक चुनौतियों के लगातार बढ़ते असर ने उसके कुल मार्केट कैप और उसकी सापेक्ष रैंकिंग दोनों को ही कमज़ोर कर दिया है। घरेलू शेयर बाजार में गिरावट की मुख्य वजह विदेशी निवेशकों की आरे से बाजार से लगातार पैसा निकाला जा रहा है। वहीं, डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में कमजोरी ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

इसके अलावा आज दुनियाभर के निवेशक उन कंपनियों में पैसा लगा रहे हैं जो एआई इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी हैं, जबकि भारतीय शेयर बाजार में ऐसी कंपनियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत बहुत कम है। बाजार के जानकारों का मानना है कि भले ही शेयर बाजार के मूल्यांकन में दक्षिण कोरिया और ताइवान भारतीय शेयर बाजार से आगे निकल गए हों, लेकिन असली अर्थव्यवस्था के आकार में भारत अब भी इनसे कहीं ज्यादा बड़ा और मजबूत स्थित में है। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमानों के मुताबिक भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.15 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि दक्षिण कोरिया का जीडीपी 1.93 ट्रिलियन डॉलर है। इसके अलावा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।

वी. पकिरिसामी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के वाणिज्यिक निदेशक नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने वी. पकिरिसामी को पावर सेक्टर को लोन देने वाली सरकारी महारत्न कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) का वाणिज्यिक निदेशक नियुक्त कर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा गठित शुंगलू समिति में सेवा दी है और वे पीएफसी की ऋण नीति समिति तथा विभिन्न कार्यकारी समितियों के सदस्य रहे हैं। वी. पकिरिसामी पहले पीएफसी में कार्यकारी निदेशक एंटिटी अप्रेजल और आईटी के पद पर कार्यरत थे। पकिरिसामी के पास बिजली क्षेत्र और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस में तीन दशकों से ज्यादा का व्यापक अनुभव है। उन्होंने आईआईटी दिल्ली से बीई (मैकेनिकल) और एम.टेक (प्रबंधन और सिस्टम) की डिग्री हासिल की है। उन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 1989 में की और 1997 में पीएफसी में शामिल हुए। इन वर्षों के दौरान उन्होंने संगठन के कार्यों के विस्तार और उसके मूल्यांकन तथा जोखिम प्रबंधन ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में आज लगातार दूसरे दिन शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज ये चमकीली धातु 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में आज 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई कमी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में निचले स्तर से रिकवरी, सेंसेक्स और निफ्टी की स्थिति में सुधार का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवर करता हुआ नजर आ रहा है। कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई । बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली का झटका भी लगता रहा। इसके बावजूद ये दोनों सूचकांक लाल निशान में होने के बावजूद लगातार धीरे-धीरे रिकवर करते रहे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आए। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा, इंफोसिस, कोल इंडिया, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 3.99 प्रतिशत से लेकर 1.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, श्रीराम फाइनेंस, मैक्स हेल्थकेयर और आईटीसी के शेयर 3.21 प्रतिशत से लेकर 2.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,734 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,258 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,476 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से छह शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 24 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 11 शेयर हरे निशान में और 39 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

सरकार ने एनएचपीसी में छह फीसदी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया शुरू की, बिक्री पेशकश खुली

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी नेशनल हाइड्रो पॉवर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) में अपनी छह फीसदी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। इसके शेयर बिक्री के लिए न्यूनतम मूल्य 71 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। विनिवेश लक्ष्य के तहत शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत इस कंपनी में सरकार अपने शेयरों को डिस्काउंट पर बेच रही है। एनएचपीसी के अनुसार इस बिक्री से सरकारी खजाने में 4,300 करोड़ रुपये आने का अनुमान है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2025—26 की चौथी तिमाही में 1,549 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सोमवार को एनएचपीसी कंपनी का शेयर 77.19 रुपये पर बंद हुआ। इसकी तुलना में 71 रुपये प्रति शेयर का ओएफएस मूल्य करीब 8 फीसदी की छूट पर मिल रहा है। एनएचपीसी का शेयर पिछले बंद भाव से 2.07 फीसदी नीचे बंद हुआ था, लेकिन मंगलवार को बाजार खुलने पर इसमें 5.48 फीसदी की गिरावट दिखने लगी और बाजार भाव फिसलकर 72 रुपये के आसपास पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2026-27 में भारत सरकार 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनएचपीसी में 6 फीसदी की अपनी हिस्सेदारी बेच रही है। इससे पहले सरकार ने कोल इंडिया लिमिडेट और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में अपनी हिस्सेदारी बेची है।

हरिकांता ओवरसीज की स्टॉक मार्केट में निराशाजनक शुरुआत

एजेंसी, नई दिल्ली

सिंथेटिक टेक्सटाइल फैब्रिक का उत्पादन करने वाली कंपनी हरिकांता ओवरसीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को जबरदस्त झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 91 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.36 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 79.75 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर गिर कर 75.77 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक आ गए। इस तर पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 15.23 रुपये यानी 16.74 प्रतिशत का नुकसान हो गया। हरिकांता ओवरसीज का 24.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 27 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.12 गुना सब्सक्राइब हो सका। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 21.33 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.70 गुना सब्सक्रिप्शन आया। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन भी सिर्फ 66 प्रतिशत ही सब्सक्राइब हो सका। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 26.70 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

अपूर्वा अरोड़ा ने फैंस से मांग लिया ऐसा बर्थडे गिफ्ट

तस्वीरें शेयर कर लिखी दिल की बात

अ अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा की आगामी फिल्म मोमाकु रिलीज के लिए तैयार हैं। शुक्रवार को उन्होंने मजेदार पोस्ट कर फैंस से तोहफे की मांग की। दरअसल, अभिनेत्री का जन्मदिन और उनकी फिल्म मोमाकु की रिलीज एक ही दिन पड़ रही है। ऐसे में अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों से फिल्म देखने और उसे भरपूर प्यार देने की अपील की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह मेकअप रूम में बैठी नजर आ रही हैं। अपूर्वा अरोड़ा ने लिखा, मेरा जन्मदिन और फिल्म साथ-साथ आ रहे हैं। बेस्ट गिफ्ट यही होगा कि आप लोग मेरी फिल्म देखें और प्यार दें। अपूर्वा अरोड़ा की आगामी फिल्म मोमाकू का पूरा नाम मोटर, माचिस और कटर है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री पिंकी नाम की मुख्य भूमिका निभा रही हैं। उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी रात के समय की घटनाओं पर आधारित है, इसलिए इसकी शूटिंग ज्यादातर रात में की गई है। फिल्म की पृष्ठभूमि हरियाणा के ग्रामीण परिवेश पर आधारित है। इसकी कहानी एक सर्द रात में घटी एक अजीबोगरीब घटना के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां कुछ लोग एक बहुत ही चालाक योजना और धोखे का शिकार होते हैं। इस फिल्म का निर्देशन कुलदीप कुणाल ने किया है और इसमें अपूर्वा जतिन सरना के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 4 जून को केबल वन पर रिलीज होगी। अभिनेत्री अपूर्वा हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी पर अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में एक बाल कलाकार के रूप में फिल्म बबल गम से की थी। हालांकि, अभिनेत्री को सबसे ज्यादा पहचान कॉलेज रोमांस वेब सीरीज में नायरा के किरदार से मिली। इसके अलावा वे फैमिली आज कल और बेसमेंट कंपनी जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं।

करिश्मा कपूर की ब्राउन का ट्रेलर आउट, कोलकाता की पृष्ठभूमि पर सुलझेगी बेरहम हत्याओं की गुत्थी

अ अभिनेत्री करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज ब्राउन के मेकर्स ने शनिवार को कोलकाता में ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित एक डार्क साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर है। यह सीरीज कोलकाता की रहस्यमयी पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसके केंद्र में करिश्मा का किरदार रीटा ब्राउन है, जिसे करिश्मा कपूर निभा रही हैं। रीटा कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में गिनी जाती थीं, लेकिन अब वह बदनाम हो चुकी हैं और शराब की लत से जूझ रही हैं। साथ ही, उसका अतीत उसे लगातार परेशान करता रहता है। कहानी तब नया मोड़ लेती है, जब शहर में एक के बाद एक कई बेरहमी से हत्याएं होने लगती हैं। इन हत्याओं की शुरुआत एक बड़े कारोबारी की बेटी की हत्या से होती है। इसके बाद रीटा को मजबूरी में फिर से जांच के लिए सिस्टम में लौटना पड़ता है। इस दौरान वह इंस्पेक्टर अर्जुन नामक एक युवा और परेशान अधिकारी के साथ मिलकर मामले की जांच करती है। जांच के दौरान दोनों ऐसे रहस्यों और सच्चाइयों का सामना करते हैं, जो उन्हें एक ऐसे कोलकाता से रूबरू कराते हैं, जो पहले से कहीं ज्यादा भ्रष्ट, बिखरा हुआ और खतरनाक बन चुका है। वेब सीरीज में अभिनेत्री पुलिस अधिकारी रीटा ब्राउन का किरदार निभा रही हैं, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने लंबे करियर में पहले कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया है। रीटा ब्राउन का किरदार जितना अपने साहस के लिए मजबूत है, उतना ही अपनी कमजोरियों और खामोशी के कारण भी खास और प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, रीटा ब्राउन मेरे द्वारा पहले निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। वह कई कमियों के साथ जीती है, भावनात्मक रूप से कमजोर और टूटी हुई है, लेकिन इसके बावजूद वह जिंदगी की हर चुनौती का डटकर सामना करती है। यही बात उसे बेहद मजबूत और खास बनाती है। अभिनेत्री ने बताया कि वेब सीरीज की भावनात्मक सच्चाई ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसमें न तो दर्द को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है और न ही इंसानी रिश्तों को आसान बनाकर पेश किया गया है। कहानी बिल्कुल वास्तविक है। अभिनेता जिस्शु सेनगुप्ता ने बताया, मुझे ब्राउन की सबसे खास बात यह लगी कि इसकी कहानी धीरे-धीरे कई परतों में खुलती है। इसमें सस्पेंस के साथ-साथ भावनात्मक गहराई भी हैं। एक अभिनेता के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना काफी दिचस्प होता है। इसके अलावा, कोलकाता को कहानी का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बनते देखना मेरे लिए और भी खास अनुभव रहा। डायरेक्टर अभिनय देव के लिए, यह सिर्फ एक क्राइम स्टोरी नहीं है, बल्कि यह उन टूटे हुए लोगों की कहानी है जो एक टूटे हुए सिस्टम में अपनी जिंदगी का मकसद और छुटकारा पाने की कोशिश कर रहे हैं। रीटा ब्राउन का किरदार अंदर और बाहर से कई परतों वाला है। हम एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते थे जो असली लगे, जहां हर कैरेक्टर ग्रे शेड्स में काम करता हो। यह कहानी इंसाफ और नैतिकता के बारे में हमारी सोच को चुनौती देती है, जिससे यह एक बहुत ही दिलचस्प अनुभव बन जाती है। जी5 हिंदी की बिजनेस हेड, कावेरी दास ने कहा, ब्राउन आज के आम क्राइम थ्रिलर से बिल्कुल अलग है, क्योंकि यह इस बात पर नहीं चलती कि गुनहगार कौन है, बल्कि यह अपने कैरेक्टर्स की गहराई में उतरती है। उनकी कमियां, उनके पुराने जख्म, और उनके साथ जुड़ा इमोशनल बोझ। असल में, यह सीरीज उन टूटे हुए और उलझे हुए लोगों की कहानी है जो बिल्कुल असली और बिना किसी बनावट के लगते हैं।

अभिनेत्री कीर्ति सेलिना जेटली की बढ़ी मुश्किलें, पति-ससुर ने भेजा नोटिस

झूठे आरोपों और मीडिया ट्रायल पर आपत्ति

अ अभिनेत्री सेलिना जेटली की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवादों के बीच उन्हें पति पीटर हाग और ससुर डीआई वोल्फगैंग जे. हाग ने दो अलग-अलग कानूनी नोटिस भेजे हैं। मुंबई स्थित विधि फर्म सेमवाल एंड कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ये नोटिस सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कई मीडिया माध्यमों में प्रसारित की जा रही उन बातों के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें हाग परिवार ने भ्रामक, असत्य और मानहानिकारक बताया है। जानकारी के अनुसार, पहला नोटिस पीटर हाग के पिता डीआई वोल्फगैंग जे. हाग की ओर से भेजा गया है, जबकि दूसरा नोटिस स्वयं पीटर हाग ने अपने और अपने तीन नाबालिग बच्चों के हितों की सुरक्षा के लिए जारी किया है। परिवार का कहना है कि पिछले कुछ समय से उनके खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर कई ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका वास्तविक तथ्यों से कोई संबंध नहीं है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि पीटर हाग और सेलिना जेटली के बीच वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले वर्तमान में ऑस्ट्रिया की अदालतों में विचाराधीन हैं। परिवार का आरोप है कि न्यायिक प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद इस मामले से जुड़े कई बयान, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट सार्वजनिक रूप से साझा किए गए, जिनमें हाग फैमिली को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए। हाग फैमिली का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, क्योंकि वे चाहते थे कि पारिवारिक और बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों का समाधान कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से हो। हालांकि, उनके अनुसार लगातार लग रहे सार्वजनिक आरोपों और मीडिया में उनके प्रसार के चलते अब कानूनी कदम उठाना जरूरी हो गया था। नोटिस में उन आरोपों का विशेष रूप से खंडन किया गया है, जिनमें पीटर हाग को हिंसक, अपमानजनक, भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने वाला या डराने-धमकाने वाला व्यक्ति बताया गया है। इसके अलावा, बच्चों को छिपाने, उनकी सोच को प्रभावित या ब्रेनवॉश करने, उत्पीड़न करने और धर्म से जुड़े कुछ आरोपों को भी परिवार ने पूरी तरह निराधार बताया है। हाग फैमिली ने सबसे अधिक चिंता बच्चों की प्राइवेसी और मानसिक स्थिति को लेकर जताई है। उनका कहना है कि लगातार सार्वजनिक चर्चाओं, तस्वीरों को पोस्ट करने और निजी मामलों को मीडिया में लाने से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उनका मानना है कि बच्चों से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ संभाला जाना चाहिए और सार्वजनिक बहस या मीडिया ट्रायल का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। नोटिस में यह भी कहा गया है कि कथित रूप से प्रसारित की गए कुछ कंटेंट मानहानि, निजता के उल्लंघन और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की श्रेणी में आ सकते हैं। इसी आधार पर संबंधित पक्षों से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने, ऐसे पोस्ट को रोकने, सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी करने और बिना शर्त माफी की मांग की गई है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सेमवाल एंड कंपनी की पार्टनर और सॉलिसिटर येशा शाह ने बताया, महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी शादी से संबंधित विवाद को बिना पुष्टि के आरोपों और सार्वजनिक अभियानों के जरिए मीडिया ट्रायल में बदलना उचित नहीं है। कानूनी प्रक्रियाओं का उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि किसी व्यक्ति की समाज में छवि को नुकसान पहुंचाना। परिवार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि नोटिस में उल्लिखित मांगों का पालन नहीं किया गया तो वे आगे आपराधिक कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

रवीना टंडन की मां के 25 लाख के गहने और महंगी घड़ियां चोरी, आरोपी महिला ने धीरे-धीरे जीता था सबका भरोसा

बॉ बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन की मां के घर से करीब 25 लाख रुपए के गहने और महंगी घड़ियां चोरी होने के मामले में मुंबई पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी महिला कई सालों से परिवार के संपर्क में थी और उसने धीरे-धीरे परिवार का विश्वास जीतकर इस वारदात को अंजाम दिया। मुंबई पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार की गई महिला का नाम राशि छाबड़िया है और उसकी उम्र 47 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि राशि साल 2020 से टंडन परिवार के संपर्क में थी। वह एक्ट्रेस की मां वीणा टंडन की देखभाल के लिए घर आती-जाती थी, जिसके चलते वह परिवार के भरोसेमंद लोगों में शामिल हो चुकी थी। वह खाना बनाने से लेकर वीणा टंडन की देखभाल तक सभी काम करती थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि समय के साथ आरोपी महिला ने परिवार का भरोसा जीता। इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए उसने कथित तौर पर घर में रखे कीमती सामान पर नजर रखी और मौका पाकर गहनों के साथ दो महंगी घड़ियां भी चुरा लीं। मामले का खुलासा तब हुआ, जब परिवार ने लॉकर की जांच की और पाया कि उसमें रखे गहने और घड़ियां गायब हैं। इसके बाद घर में आने-जाने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटाई गई और राशि छाबड़िया से भी पूछताछ की गई। हालांकि शुरुआती पूछताछ में उसने चोरी में किसी भी तरह की भूमिका होने से साफ इनकार कर दिया। लेकिन जब उससे दोबारा पूछताछ की गई, तो उसने चोरी की गई महंगी घड़ियां वापस कर दीं और साथ ही बताया कि बाकी गहने उसने जगदीश नाम के एक व्यक्ति को दे दिए हैं और उन्हें भी वह जल्द लौटा देगी। वहीं रवीना टंडन की बात करें तो, वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चा में है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। रवीना टंडन के अलावा फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, संजय दत्त, दिशा पाटनी, लारा दत्ता समेत कई सितारे मौजूद हैं। इस फिल्म का म्यूजिक मीट ब्रदर्स ने तैयार किया है। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हेमा मालिनी की खूबसूरती से नजरें नहीं हटा पाई थीं पूनम ढिल्लों, धर्मेंद्र को लेकर भी सुनाया मजेदार किस्सा

बॉ बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने आईएएनएस से खास बातचीत में हिंदी सिनेमा के दिग्गज सितारों हेमा मालिनी और धर्मेंद्र से जुड़ी कई यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब उन्हें फिल्मों और बड़े सितारों की दुनिया की बिल्कुल भी समझ नहीं थी। लेकिन, जैसे-जैसे उन्होंने काम किया, वैसे-वैसे उन्हें इन कलाकारों की असली शख्सियत को करीब से जानने का मौका मिला। आईएएनएस से बात करते हुए पूनम ढिल्लों ने कहा, मेरी पहली फिल्म त्रिशूल का पहला शॉट महानायक अमिताभ बच्चन के साथ था, लेकिन जब मैंने पहली बार हेमा मालिनी के साथ काम किया, तो मैं उनकी खूबसूरती देखकर हैरान रह गई थी। मैं उनके चेहरे से अपनी नजर नहीं हटा पा रही थी। उनकी आंखें, उनके होंठ और उनकी पूरी पर्सनैलिटी काफी आकर्षक थी। आज भी हेमा मालिनी उतनी ही खूबसूरत लगती हैं। पूनम ने कहा, आज भी अगर कोई लड़की अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, तो वह कहीं न कहीं हेमा मालिनी जैसी बनने की इच्छा जरूर रखती है। मैंने हेमा मालिनी के साथ फिल्म दर्द में काम किया था, जिसमें राजेश खन्ना डबल रोल में नजर आए थे। इसके अलावा, एक चादर मैली सी जैसी फिल्मों में भी उनके साथ स्क्रीन साझा की। फिल्मों के अलावा भी हमारी मुलाकातें होती रहती थीं और हेमा मालिनी हमेशा बेहद प्यार और अपनापन देती थीं। बातचीत के दौरान पूनम ढिल्लों ने धर्मेंद्र से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, मैंने धर्मेंद्र के साथ छह-सात फिल्मों में काम किया, हालांकि रोमांटिक लीड के तौर पर मैं कभी उनके साथ नजर नहीं आईं। हम एक फिल्म की शूटिंग ऊंटी में कर रहे थे और वहां अभिनेत्री स्मिता पाटिल भी मौजूद थीं। सेट पर सभी लोग धर्मेंद्र को प्यार से धर्म पाजी कहकर बुलाते थे। यह देखकर मैं और स्मिता भी उन्हें पाजी कहने लगे। पूनम ढिल्लों ने आगे बताया, हमसे पाजी सुनने के बाद एक दिन धर्मेंद्र ने मजाक में कहा, इन कुड़ियों को बोलो मुझे पाजी न कहा करें। धर्मेंद्र के साथ एक बेहद खास और अपनापन भरा रिश्ता महसूस होता था। जब भी वह मिलते थे, हमेशा खुशी से मिलते थे। मैंने हेमा-धर्मेंद्र जी के अलावा, सनी देओल के साथ भी कई फिल्मों में काम किया है। इंटरव्यू के दौरान पूनम ढिल्लों ने फिल्म इंडस्ट्री में बदलते दौर और बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, आज काम कम नहीं हुआ है, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। अब फिल्में बन रही हैं, टेलीविजन पर भी काम हो रहा है और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी लगातार नया कंटेंट आ रहा है। लेकिन इसके साथ एक चीज और हुई है- एक्टर्स की संख्या भी बहुत ज्यादा बढ़ गई है। पहले एक दौर था जब ज्यादातर मुंबई बेस्ड लोग ही फिल्मों में काम करने आते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को जोड़ दिया है। इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोग सीधे फिल्ममेकर्स तक पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, आज कोई भी टैलेंटेड इंसान, चाहे वह उत्तर प्रदेश में बैठा हो, बिहार में हो या पंजाब में, अपनी रील्स और वीडियोज के जरिए फिल्ममेकर्स तक पहुंच सकता है। फिल्ममेकर्स भी अलग-अलग जगहों के टैलेंट को देख पा रहे हैं। वे कहते हैं कि अरे, ये एक्टर कितना अच्छा है, इसकी रील देखी क्या?, ये कितना अच्छा डांसर है इसलिए अब इंडस्ट्री में पहले से कहीं ज्यादा नए लोग आ रहे हैं। मुझे लगता है कि इसी वजह से पुराने कलाकारों को कभी-कभी महसूस होता है कि उनके पास काम कम हो गया है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। काम तो बढ़ा है, बस अब विकल्प ज्यादा हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में कलाकारों और टेक्नीशियंस दोनों के लिए मौके हैं, लेकिन किसी भी तरह के विवाद का नुकसान छोटे लोगों को नहीं होना चाहिए। प्रोड्यूसर्स और टेक्नीशियंस के बीच अगर कोई टकराव होता है, तो सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को होती है जो रोज काम करके अपना घर चलाते हैं।

Rajnath, Australian defence minister underscore maritime freedom, supply chain security in Delhi talks

work on finalising joint maritime security collaboration Roadmap

New Delhi, Agency: India and Australia on Monday underscored the importance of "freedom of navigation, overflight and unimpeded maritime trade" amid disruptions in energy supply chains following the West Asia crisis, and also advocated for a "free, open, peaceful, stable and prosperous Indo-Pacific" at a time China is increasing its assertiveness in the region.

During the second India-Australia Defence Ministers' Dialogue held here, defence minister Rajnath Singh and Australian deputy PM and defence minister Richard Marles "discussed advancements in bilateral maritime security cooperation and efforts to finalise the joint maritime security collaboration roadmap, and agreed to progress the collaborative maritime domain awareness activities by maritime patrol aircraft and explore opportunities to enhance undersea domain awareness," a joint statement read. Welcoming the "significant progress in bilateral relationship", the ministers advanced the long-term vision of PM Narendra Modi and his Australian counterpart Anthony Albanese for collaboration between the two countries to enhance collective strength, contribute to both countries' security, and make an important contribution to regional peace and security.

"Ministers encouraged further cooperation between the Indian Coast Guard and Australia's Maritime Border Command and reaffirmed the importance of enhancing cooperation with regional partners to help maintain a free, open, peaceful, stable and prosperous Indo-Pacific," the statement read.

India and Australia also underscored the importance of freedom of navigation and overflight, and their strong support for unimpeded trade in the region and other lawful uses of the sea consistent with international law, particularly the 1982 UNCLOS.

From split to stitch-up? Shiva Sena factions hint at reunion amid BJP's dominance

New Delhi, Agency: Four years after a dramatic split turned the Shiv Sena into two rival camps locked in a bitter political battle, leaders from both sides now appear to be finding common ground on one issue: the BJP.

Interestingly, the very factor that contributed to the Sena's split, its relationship with the BJP, is now emerging as a reason for calls to reunite. Senior leaders from the factions led by Uddhav Thackeray and deputy chief minister Eknath Shinde have suggested that the bigger challenge facing them is no longer each other, but the BJP's growing dominance in Maharashtra politics.

At least two senior leaders from both the rival Shiv Sena factions have publicly backed the idea of a reunion between the camps led by Shinde and Thackeray, arguing that the BJP poses an existential threat to both parties, as per news agency PTI. The remarks came from Sena (UBT) leader Ambadas Danve and senior Shiv Sena leader Abdul Sattar, who suggested that the time may be right for the estranged factions to come together nearly four years after the party's split.

Responding to a question on whether the two factions should reunite, Danve said, "I feel so on several occasions. But there is no point in my alone wanting it." Sattar echoed the sentiment, saying, "This is the time to unite."

Danve argued that the BJP is systematically weakening its regional allies, including both the Shiv Sena and the NCP. "A big fish swallows small fish. The BJP is doing the same with the NCP and Shiv Sena," he said, according to PTI. He further claimed that the BJP views the Shiv Sena as an enemy rather than merely a political rival.

"The BJP's target is to finish off the Shiv Sena because it considers the party as an enemy, not just an opponent," Danve said, adding that those who broke away from the undivided Sena should now be realising this.

The Sena (UBT) leader also contended that the BJP is working to politically weaken the Shinde-led Shiv Sena as well.

Sattar, meanwhile, remarked that there was little point in seeking unity if "our elder brother is finishing us off," referring to the BJP, which is currently allied with the Shinde-led Shiv Sena in both Maharashtra and at the Centre.

When asked directly whether the two Shiv Sena factions should come together, Sattar answered in the affirmative.

'AC-on, AC-off' mileage tests mandatory for new cars from next April

New Delhi, Agency: Starting next April, all car manufacturers will be required to perform fuel-efficiency and mileage tests for new vehicle models under two conditions: with the air-conditioning system turned on and with it turned off, according to a notification issued by the road transport ministry on Sunday. For existing models, manufacturers may be granted a few additional months to comply with the new testing requirements, Media has learnt.

The move is aimed at providing customers with more realistic and accurate mileage figures, which will improve transparency, helping buyers make better-informed purchasing decisions. The testing norms will apply to both internal combustion engine (ICE) vehicles and electric vehicles (EVs). At present, car manufacturers in India declare fuel-efficiency figures based on tests conducted with the AC system switched off.

NMC warns of HIV hepatitis risk from unsafe injections

New Delhi, Agency: Alarmed by the possibility of patients contracting HIV and viral hepatitis through unsafe medical procedures, the National Medical Commission (NMC) has directed medical colleges across the country to tighten injection safety practices, warning that such infections are entirely preventable but can occur when basic safeguards are ignored.

In a nationwide advisory, the medical education regulator said unsafe injection practices can lead to outbreaks of blood-borne infections, including HIV, Hepatitis B and Hepatitis C, and asked institutions to ensure strict compliance with infection prevention and control norms.

The Commission has ordered all medical colleges to use only sterile, single-use needles and syringes and strictly prohibit their reuse under any circumstances. It has also directed hospitals to strengthen hand hygiene practices and ensure proper segregation and disposal of injection-related waste.

'Saw potential in a young worker': DK Shivakumar thanks Gandhi family ahead of Karnataka CM swearing-in

New Delhi, Agency: Karnataka chief minister-designate DK Shivakumar on Tuesday expressed gratitude to the Gandhi family for playing a defining role in his political journey and vowed to continue working with sincerity and commitment to build a progressive, inclusive and prosperous state.In a post on X, Shivakumar wrote,"The Gandhi family has played a defining role in my political journey, not merely through leadership, but through the faith they placed in me at different stages of my life."His remarks come as he is set to take oath as Karnataka's next chief minister tomorrow after the resignation of Siddaramaiah on May 28.

Reflecting on former Prime Minister Rajiv Gandhi's role in his early political career, Shivakumar said he often thinks about how Rajiv Gandhi recognised his potential when he was still a young party worker.

"I often reflect on Shri Rajiv Gandhi avaru, who saw potential in a young worker even before I could see it in myself. His encouragement gave me the confidence to dream bigger and dedicate myself to public service. The greatest leaders are those who identify possibilities in others and inspire them to rise beyond their own expectations. Rajiv Gandhi did exactly that for me," he wrote. The Karnataka Congress leader also credited former Congress president Sonia Gandhi for standing by him during difficult phases of his political journey and said she taught him an important lesson about leadership."Smt. Sonia Gandhi avaru taught me another important lesson in leadership. True leaders do not stand by you only during moments of success; they stand beside you during your most difficult times, offering strength, encouragement and unwavering support. Her faith in me during challenging phases of my journey is something I will always cherish," Shivakumar said.Praising Congress leader Rahul Gandhi, Shivakumar described him as a constant source of inspiration and guidance who has motivated leaders through his commitment to democratic values and inclusive politics."Shri Rahul Gandhi avaru has been a constant source of guidance and inspiration. His willingness to listen, his conviction in democratic values, and his vision for a more inclusive and compassionate India continue to motivate leaders like me.

Govt will continue to reclaim leased land for public use: Minister on Gymkhana Club row

New Delhi, Agency: Days after the Centre initiated steps to take back the land occupied by the Delhi Gymkhana Club, Union Housing and Urban Affairs Minister Manohar Lal on Monday made his first public remarks on the issue since the ministry's Land and Development Office (L&DO) directed the club on May 22 to vacate its premises by June 5.

The minister indicated that similar action could be taken elsewhere whenever the government land was required for public purposes. Speaking at a press briefing on the BRICS Urbanisation Forum to be hosted in Delhi on June 11 and 12, he said, "Land is a basic feature of urban development...In most cases, it has been given on lease.

The leased land can be vacated upon expiry of the lease or even before that for any other use." "The land we are taking back today will be put to use as per the requirements, and this work will carry on...There is no other source of land, so we will have to use this land for development needs," he added.

India, US close to sealing first tranche of trade pact: Piyush Goyal

New Delhi, Agency: India and the United States appear to be in the final stages of concluding the first tranche of a long-awaited bilateral trade agreement, with Commerce and Industry Minister Piyush Goyal on Monday expressing confidence that it would be signed "as soon as possible".

A high-level US trade delegation, led by Assistant US Trade Representative Brendan Lynch, has arrived in India for four days of negotiations aimed at finalising the proposed agreement, underscoring the momentum in economic engagement between the two countries. "As far as the US team is concerned, some members have already arrived, while others are arriving tonight. Our meetings are scheduled for June 2, 3 and 4," Goyal said.

Referring to the framework for the proposed trade pact announced by the leaders of the two countries on February 7 this year, the minister said most issues had already been resolved.

"The leaders of both nations had already announced the agreement framework on February 7. All the major points have been settled. US Ambassador to India Sergio Gor recently stated that 99 per cent of the details have been finalised," Goyal said.

"I am fully confident that we will conclude the first tranche of the bilateral trade agreement with the US as soon as possible. We will sign it and then proceed to initiate further discussions on how to formulate an even more comprehensive bilateral trade agreement moving forward," he added. Meanwhile, a spokesperson for the US Embassy said the delegation, led by Lynch, would remain in India from June 1 to 4 to continue discussions aimed at finalising a US-India trade agreement. The spokesperson added

Indian women using internet doubled to 64% in 4 years

New Delhi, Agency: Between NFHS-5 (2019-21) and NFHS-6 (2023-24), the share of Indian women who have ever used the internet has almost doubled from 33.3% to 64.3%, preschool attendance among children aged two to four years rose from 40.1% to 47% and proportion of women with 10 or more years of schooling climbed from 41% to 46.4%.

The latest National Family Health Survey suggests India is witnessing a quiet but significant transformation in both education and digital access for girls and women. Yet beneath national gains, the survey reveals sharp inequalities that continue to shape educational opportunities across the country, with female school attendance among those aged 6 and above standing at 84.3% in urban India compared to 69.2% in rural areas.

No endless digital stigma: HC upholds right to be forgotten

New Delhi, Agency: Recognising an individual's "right to be forgotten", the Delhi High Court has ruled that search engines like Google cannot be perpetually permitted to show judicial records in name-based search for a case which is private in nature or has ended in an acquittal, discharge, quashing or settlement.

Giving relief to a group of petitioners, the court ordered authorities, search engine operators and legal database platforms to de-index and disable their "name-based search functionality" in respect of judgments, orders and news articles cited by the petitioners.

The court, however, held that de-indexing is not appropriate in certain cases involving conviction for offences against women or children or for offences involving breach of public trust, offences by public servants, elected representatives, etc.

De-indexing refers to the removal of a specific web page or website from a search engine's database.

Justice Sachin Datta said while transparency is integral to judicial independence and accountability, the continued association of an individual's name with a judicial record online causes disproportionate harm to their informational privacy, dignity and reputation, which is not justified by any legitimate public interest. The judge said the "right to be forgotten" - which is a "broader manifestation of the right to privacy" under Article 21 of the Constitution - protects individuals from "perpetual exposure" to irrelevant past events, and no legitimate aim is served by "unlimited and unrestricted name-based searchability" of judicial records related to proceedings that have been resolved. The court passed the verdict on a batch of over 30 petitions by individuals who invoked their "right to be forgotten" to de-index judicial records from name-based search results and to mask their personal identifiers from publicly accessible digital versions of those records.